# ओ३म्

# गुरुकुल काङ्गड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार

## संस्कृत विभाग

शिक्षा सत्र 2015- 16 से आरब्ध

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

आधृत बी.ए. प्रोग्राम (संस्कृत)

# स्नातकस्तरीय पाठ्यक्रम

## Undergraduate Course for Sanskrit (programme) under Choice Basesd credit system (CBCS)

का

संशोधित स्वरूप

**वर्ष 2019-20 से प्रभावी**

सत्र २०१९-२० से प्रभावी

# CBCS आधृत स्नातक स्तरीय (B.A. Programme)

# संस्कृत पाठ्यक्रम

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -** भारत सरकार के शिक्षामन्त्रालय के निर्देशों के अनुसार गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय का स्नातक स्तरीय (B.A. Programme) संस्कृत का पाठ्यक्रम CBCS के अनुरूप संरचित है। यह पाठ्यक्रम छः सत्रों तथा तीन वर्षों में विभक्त है। छात्र अपनी अभिरुचि एवं योग्यता के अनुसार अपेक्षित अधिभार अर्जित करने के लिए किसी भी संस्थान से किसी भी विषय का अध्ययन कर सकते है। छात्रों को संस्कृतसाहित्य में विद्यमान विविध ज्ञान विज्ञान प्रदान करना उसके जीवन को नैतिक एवं सदाचारपूर्ण बनाना तथा विविध कलाकौशल के प्रशिक्षण से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में समर्थ बनाना, इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है। इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु पाठ्यक्रम में संस्कृतसाहित्य के पद्यकाव्य, गद्यकाव्य, नाटक, काव्यशास्त्र, व्याकरण, ज्योतिष, आयुर्वेद, धर्मदर्शन एवं संस्कृति, गणित, योग, राजनैतिकविज्ञान, राष्ट्रवाद, व्यक्तित्व विकास, छन्द, संगीत, भारतीय-रंगमञ्च, संस्कृत एवं संगणक, ई-लर्निंग, संस्कृत एवं संचार माध्यम नीतिशास्त्र आदि विषय सम्मिलित किये गये हैं। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्रों का सर्वाङ्गीण विकास हो तथा वे एक योग्य नागरिक बनकर राष्ट्र के विकास में सहयोगी बनें यही इसका मुख्य लक्ष्य है।

**पाठ्यक्रम- अध्ययन परिणाम (Course Outcomes) -**

- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र संस्कृतभाषा में दक्षता प्राप्त करेंगे।
- संस्कृतकाव्य, व्याकरण, दर्शन आदि विषयों में अभिज्ञ बन कर इन विषयों को पढाने में सक्षम होगें।
- आयुर्वेद, ज्योतिष, रंगमञ्च, संगीत आदि ज्ञान छात्रों को अर्थोपार्जन में समर्थ बनायेगा ।
- दर्शनशास्त्रों के अध्ययन से छात्रों की तार्किक एवं तात्विक दृष्टि विकसित होगी जिससे समाज से अनाचार, भ्रष्टाचार, अन्धविश्वास एवं कुरीतियों का उन्मूलन होगा।
- योग एवं नैतिकशिक्षा से छात्रों का जीवन उत्कृष्ट तथा सदाचारमय होगा जिससे एक श्रेष्ट राष्ट्र एवं विश्व का निर्माण होगा।

सत्र २०१९-२० से प्रभावी

सत्र २०१९-२० से प्रभावी

# गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार
## संस्कृत विभाग

**CBCS आधृत (बी. ए. Programme)**
**(बी०ए० सामान्य)**
स्नातकस्तरीय **संशोधित** पाठ्यक्रम का **संक्षिप्तस्वरूप**

**2019-20 से प्रभावी**

## प्रथम सत्र (Semester- Ist)

**मुख्य पाठ्यक्रम (Core course)** बी०ए० सामान्य संस्कृत
**छात्र द्वारा अनिवार्यरूपेण पठनीय मुख्य (कोर) पाठ्यक्रम**
**(A Core Course, which should compulsorily be studied by a candidate)**

| Subject Code | पाठ्यक्रम शीर्षक Subject Title | Period Per Week | | Evaluation Scheme | | | | Subject Total |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | Sessional | | | ESE | |
| | | L | T | Credit | CT | TA | | |
| (Core Paper) BSA-C111 | संस्कृत पद्य Sanskrit Poetry | 5 | 1 | 6 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| बी०ए० प्रथम सेमेस्टर में MIL विषय के रूप में लेने के लिए प्रश्नपत्र। | | | | | | | | |
| BSG-C111 | संस्कृतसाहित्य Sanskrit Literature | 5 | 1 | 6 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| | | | कुल =12 Credit | | कुल = 200 अंक | | | |

## द्वितीय- सत्र (Semester- IInd)
### मुख्य पाठ्यक्रम (Core course) बी०ए० सामान्य संस्कृत
### छात्र द्वारा अनिवार्यरूपेण पठनीय मुख्य (कोर) पाठ्यक्रम
### (A Core Course, which should compulsorily be studied by a candidate)

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **BSA-C211** | **संस्कृत- गद्य काव्य** | 5 | 1 | 6 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| बी०ए० द्वितीय सेमेस्टर में MIL विषय के रूप में लेने के लिए प्रश्नपत्र। | | | | | | | | |
| BSG-C211 | संस्कृतसाहित्य Sanskrit Literature | 5 | 1 | 6 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| | कुल =12 Credit | | | | कुल = 200 अंक | | | |

## तृतीय सत्र (Semester IIIrd)
### मुख्य पाठ्यक्रम (Core course) बी०ए० सामान्य संस्कृत
### छात्र द्वारा अनिवार्यरूपेण पठनीय मुख्य (कोर) पाठ्यक्रम
### (A Core Course, which should compulsorily be studied by a candidate)

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| BSA-C311 | संस्कृत नाटक Sanskrit Drama | 5 | 1 | 6 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| बी०ए० तृतीय सेमेस्टर में MIL विषय के रूप में लेने के लिए प्रश्नपत्र। | | | | | | | | |
| BSG- C311 | व्याकरण एवं अनुवाद Grammar and Translation | 5 | 1 | 6 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| Skill Enhancement course (SEC)<br>**छात्र सुविधानुसार निम्नलिखित पत्रों में से किसी भी एक पत्र का चयन कर सकेंगे।** | | | | | | | | |
| BSA-S311 | **ज्योतिष के मौलिक सिद्धान्त** Basic element of jyotisha | 3 | 1 | 4 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| BSA - S312 | **भारतीय वास्तुकला प्रणाली** Indian architectural system | 3 | 1 | 4 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| | क्रेडिट 16 | | | | कुल =300 अंक | | | |

<table>
<tr><td colspan="9">भारतीय ज्ञानपरम्परा (BKT)<br>विशेष- तृतीय सत्र में इस पत्र को अतिरिक्त पत्र के रूप में सभी छात्रों को पढ़ना अनिवार्य है।<br>इस प्रश्न-पत्र को प्राचीन भारतीय ज्ञान- विज्ञान से छात्र परिचित हो सकें इस उद्देश्य से पाठ्यक्रम में समाहित किया गया है।</td></tr>
<tr><td>BKT-A311</td><td>भारतीय ज्ञानपरम्परा<br>Bharateeya Jnanaparampara</td><td>3</td><td>1</td><td>4</td><td>20</td><td>10</td><td>70</td><td>100</td></tr>
<tr><td colspan="5">कुल =4 Credit</td><td colspan="4">कुल अंक =100</td></tr>
</table>

## चतुर्थ सत्र (Semester IVth)

## मुख्य पाठ्यक्रम (Core course) बी०ए० सामान्य, संस्कृत

## छात्र द्वारा अनिवार्यरूपेण पठनीय मुख्य (कोर) पाठ्यक्रम

## (A Core Course, which should compulsorily be studied by a candidate)

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **BSA-C411** | **संस्कृत व्याकरण**<br>Sanskrit grammar | 5 | 1 | 6 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| बी०ए० चतुर्थ सेमेस्टर में MIL विषय के रूप में लेने के लिए प्रश्नपत्र। | | | | | | | | |
| **BSG-C411** | **व्याकरण और अनुवाद**<br>Grammar and translation | 5 | 1 | 6 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| Skill Enhancement course (SEC)<br>**छात्र सुविधानुसार निम्नलिखित पत्रों में से किसी भी एक पत्र का चयन कर सकेंगे।** | | | | | | | | |
| **BSA-S411** | **आयुर्वेद के मौलिक तत्त्व**<br>Basic element of ayurved | 3 | 1 | 4 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| **BSA-S412** | **संस्कृत हेतु संगणक जागरूकता**<br>Computer awareness for sanskrit | 3 | 1 | 4 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| कुल =16 Credit | | | | | कुल =300 अंक | | | |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **पञ्चम-सत्र (Semester Vth)**<br>**बी०ए० सामान्य, संस्कृत पाठ्यक्रम** | | | | | | | | |
| Skill Enhancement course (SEC)<br>**छात्र सुविधानुसार निम्नलिखित पत्रों में से किसी भी एक पत्र का चयन कर सकेंगे।** | | | | | | | | |
| **BSA-S511** | **संस्कृत अधिगम के लिए ई-लर्निंग उपकरण और तकनीक**<br>E learning tools and techniques for sanskrit | 3 | 1 | 4 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| **BSA-S512** | **पातञ्जलयोगसूत्र**<br>Patanjal yogsutra | 3 | 1 | 4 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| Discipline Specific Elective (DSE)<br>**छात्र सुविधानुसार निम्नलिखित पत्रों में से किसी भी एक पत्र का चयन कर सकेंगे।** | | | | | | | | |
| BSA-E511 | **संस्कृतपरम्परा में धर्म दर्शन एवं संस्कृति**<br>Philosophy, Religion and Culture in Sanskrit Tradition | 5 | 1 | 6 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| **BSA-E512** | **भारतीय परिप्रेक्ष्य में व्यक्तित्व विकास**<br>Indian perspectives in personality development | 5 | 1 | 6 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| **BSA-E513** | **साहित्यिक समालोचना**<br>Literary criticism | 5 | 1 | 6 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| Generic Elective (GE)<br>**छात्र सुविधानुसार निम्नलिखित पत्रों में से किसी भी एक पत्र का चयन कर सकेंगे।** | | | | | | | | |
| **BSA- G 511** | संस्कृत में राजनैतिक विचार | 5 | 1 | 6 | 20 | 10 | 70 | 100 |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | Political thought in sanskrit | | | | | | | |
| **BSA- G 512** | **संस्कृत संचार माध्यम** Sanskrit communication | 5 | 1 | 6 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| **BSA- G 513** | **संस्कृत छन्द एवं संगीत** Sanskrit meter and music | 5 | 1 | 6 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| | | | | क्रेडिट - 16 | अंक - 300 | | | |

| षष्ठ –सत्र (Semester VIth)<br>बी०ए० सामान्य, संस्कृत पाठ्यक्रम | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Skill Enhancement course (SEC) | | | | | | | | |
| **BSA-S611** | भारतीय रंगमञ्च<br>Indian theatre | 4 | - | 4 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| Discipline Specific Elective (DSE)<br>छात्र सुविधानुसार निम्नलिखित पत्रों में से किसी भी एक पत्र का चयन कर सकेंगे। | | | | | | | | |
| **BSA-E611** | संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवाद<br>Nationalism in sanskrit literature | 5 | 1 | 6 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| **BSA- E 612** | संस्कृत में गणितीय परम्परा<br>Mathematical tradition sanskrit | 5 | 1 | 6 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| Generic Elective (GE)<br>छात्र सुविधानुसार निम्नलिखित पत्रों में से किसी भी एक पत्र का चयन कर सकेंगे। | | | | | | | | |
| **BSA- G 611** | संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय विचार<br>Nationalistic thoughts in sanskrit literature | 5 | 1 | 6 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| **BSA- G 612** | संस्कृत साहित्य में नैतिक एवं सदाचार के तत्त्व<br>Ethical and moral issues in sanskrit literature | 5 | 1 | 6 | 20 | 10 | 70 | 100 |
| **BSA- G 613** | संस्कृत भाषाविज्ञान के मूल तत्त्व<br>Basics of linguistics | 5 | 1 | 6 | 20 | 10 | 70 | 100 |

| | |
|---|---|
| Credit- 16 | अंक - 300 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **T= Tutorial** | **CT = Cumulative Test** | **TA= Teacher Assessment** | **ESE -= End Semester Examination** |

## CBCS आधृत स्नातक स्तरीय (B.A. Programme) संस्कृत
## B.A. Sanskrit
## संस्कृत मुख्य विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
## Detail of the Core Course for Sanskrit

**सत्र- प्रथम**

**Semester –I**

| | | |
|---|---|---|
| **आधारभूत पत्र (Core paper)**<br>**Paper Code BSA-C111** | **संस्कृत-साहित्य (पद्य काव्य) Classical Sanskrit Literature (Poetry)** | **पूर्णाङ्क 100**<br>**सत्रान्त परीक्षा : 70**<br>**सत्रीय मूल्याङ्कन : 30** |

**क्रेडिट 06**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को पारम्परिक संस्कृत काव्यों से परिचित कराना है। इसका लक्ष्य साहित्य की समझ विकसित करना, जिसे छात्र संस्कृत के मूल तत्व को समझ सकें। यह पाठ्यक्रम छात्रों को संस्कृत में स्वतन्त्र रूप से चिन्तन में प्रवीणता प्रदान करेगा।

**पाठ्यक्रम - अध्ययन परिणाम (Course Outcome) -**

- इस पत्र के अध्ययन से छात्रों को संस्कृत के काव्यों का ज्ञान होगा तथा तत् प्रतिपादित विविध ज्ञान की प्राप्ति होगी।
- छात्रों के जीवन नैतिकता से युक्त होंगे।
- छात्र संस्कृतसहित्य के विस्तृतवाङ्मय से परिचित होंगे।

**पाठ्यक्रम -**

**खण्ड –क (Section - A)** रघुवंशमहाकाव्यम् (प्रथम सर्ग के 1 से 40 श्लोक)

**खण्ड –ख (Section - B)** शिशुपालवधम् (द्वितीय सर्ग के 26 से 37, 42 से 56 श्लोक)

**खण्ड –ग (Section - C)** नीतिशतकम् (1 से 40 श्लोक)

**खण्ड –घ (Section - D)** पद्य साहित्य का इतिहास

**घटकानुरूप विभाजन (Unit-Wise Division)**

## खण्ड – क (Section–A)

## रघुवंशमहाकाव्यम् (प्रथम सर्ग के 1 से 40 श्लोक)

**घटक (Unit) –1** (क) परिचय- कवि एवं कृति (ख) प्रथम सर्ग- विषयवस्तु 1-40 श्लोक

**घटक (Unit) –2** (क) व्याकरणात्मक-विश्लेषण, श्लोकों का अनुवाद एवं स्पष्टीकरण (व्याख्या)

(ख) विषय का विश्लेषणात्मक सारांश (ग) चरित्र-चित्रण

## खण्ड –ख (Section–B)

## शिशुपालवधम् (द्वितीय सर्ग के 26 से 37, 42 से 56 श्लोक)

**घटक (Unit) –1** (क) परिचय- कवि एवं कृति

(ख) द्वितीय  सर्ग की विषयवस्तु और पृष्ठभूमि

(ग) व्याकरणात्मक-विश्लेषण, श्लोकों का अनुवाद एवं स्पष्टीकरण (व्याख्या) माघे सन्ति त्रयो गुणाः, मेघे माघे गतं वयः, तावद्भा भारवेर्भाति यावन्माघस्य नोदयः आदि का भावार्थ एवं व्याख्या

**घटक (Unit) – 2** (क) कवि की काव्यात्मक विशिष्टता तथा कथानकीय- योजना

## खण्ड–ग (Section–C)

## नीतिशतकम् (1 से 40 श्लोक)

**घटक (Unit)1–** नीतिशतकम् काव्य का व्याकरणात्मक-विश्लेषण, श्लोकों का अनुवाद एवं स्पष्टीकरण (व्याख्या)

**घटक (Unit) 2–** (क) कवि की काव्यात्मक विशिष्टता तथा विषयपरक विश्लेषण

(ख) भर्तृहरि की सामाजिक समीक्षा, मूर्ख पद्धति

## खण्ड–घ (Section–D)

## पद्य साहित्य का इतिहास

**घटक (Unit) 1**–विविध-महाकाव्यों की उत्पत्ति और विकास – अश्वघोष, कालिदास, भारवि, माघ, भट्टि तथा श्रीहर्ष के विशेष सन्दर्भ में।

**घटक (Unit) 2**–संस्कृत-गीतिकाव्यों की उत्पत्ति और विकास- कालिदास, बिल्हण, जयदेव, अमरूक तथा भर्तृहरि के विशेष सन्दर्भ में।

**सन्दर्भ ग्रन्थ-**

1. नीतिशतक, विमलचन्द्रिका संस्कृत एवं हिन्दी व्याख्यासहित।
2. विष्णुदत्तशर्मा शास्त्री, नीतिशतक, ज्ञानप्रकाशन, मेरठ।

3. तारणीश झा, नीतिशतक, रामनारायन लाल बेनीमाधव, इलाहाबाद, 1976 ।
4. ओमप्रकाशपाण्डेय, नीतिशतक, मनोरमा हिन्दी-व्याख्यासहित, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1976 ।
5. बाबूराम त्रिपाठी (सम्पादक), नीतिशतक, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा, 1968 ।
6. C.D. Devadhar (Text, Eng. Tr.), Raghuvaṁśam of Kālidāsa, MLBD. Delhi.
7. M.R. Kale (Text, Eng. Tr.), Raghuvaṁśam of Kālidāsa, MLBD, Delhi.
8. Gopal Raghunath Nandergikar, Raghuvaṁśam of Kālidāsa, MLBD, Delhi.
9. कृष्णमणि त्रिपाठी, रघुवंशम् (मल्लिनाथकृत संजीवनीटीका), चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
10. Sisupālavadham of Magha.
11. Mirashi, V.V., Kālidāsa , Popular Publication, Mumbai.
12. Keith, A.B.: History of Sanskrit Literature, MLBD, Delhi.
13. Krishnamachariar, History of Classical Sanskrit Literature, MLBD, Delhi.
14. Gaurinath Shastri, A Concise History of Sanskrit Literature, MLBD, Delhi.
15. Winternitz, Maurice, Indian Literature (Vol. I-III), also Hindi Translation, MLBD, Delhi.

**B.A. Sanskrit**
**संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम**
**Detail of the Core Course for Sanskrit**
**सत्र- द्वितीय (Semester –II)**

| | | |
|---|---|---|
| **आधारभूत पत्र (Core paper) Paper Code BSA-C211** | **संस्कृत- गद्य काव्य Sanskrit Prose** | **पूर्णाङ्क 100**<br>**सत्रान्त परीक्षा : 70**<br>**सत्रीय मूल्याङ्कन : 30**<br>**क्रेडिटः 06** |

**प्रस्तावित पाठ्यक्रम -**
खण्ड- क – शुकनासोपदेश (कादम्बरी)
खण्ड- ख - शिवराजविजयम् (प्रथम निश्वास)
खण्ड- ग - संस्कृत गद्यसाहित्य का सर्वेक्षण

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को पारम्परिक संस्कृत गद्य साहित्य से परिचित कराना है । आधुनिक युग के प्रसिद्ध गद्य साहित्य शिवराजविजय को इस पाठ्यक्रम में छात्रों के लिये समाहित किया गया है, जिससे छात्र आधुनिक संस्कृत के प्रारम्भिक कालीन गद्य से परिचित होंगे । यह पाठ्यक्रम छात्रों को संस्कृत में स्वतन्त्र रूप से चिन्तन में प्रवीणता प्रदान करेगा ।

**पाठ्यक्रम - अध्ययन परिणाम (Course Outcome) -**

- इस पत्र के अध्ययन से छात्रों को संस्कृत के समृद्ध गद्य काव्यों का ज्ञान होगा ।
- उक्त ग्रन्थों में प्रतिपादित ऐतिहासिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक ज्ञान से छात्रों का जीवन उत्कृष्ट होगा ।

**घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)**

**खण्ड – क (Section–A)**

**शुकनासोपदेश**

**घटक (Unit) –1** (क) परिचय- कवि व कृति एवं व्याख्या, **यथा यथा चेयं चपला दीप्यते** से **समाप्तिपर्यन्त** (प्रह्लादकुमारकृत व्याख्या में पृष्ठ संख्या 116 से)

**घटक (Unit) –2** शुकनासोपदेशवर्णित सामाजिक एवं राजनैतिक विचारों की

प्रासंगिकता एवं जीवन में उपयोग।

**खण्ड –ख (Section–B)**

**शिवराजविजयम् (प्रथम निश्वास)**

**घटक (Unit) –1** परिचय - कवि व कृति, व्याख्या- पैरा सं. 1 से 20 तक एवं व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ ।

**घटक (Unit) – 2** व्याख्या- पैरा संख्या 21 से अन्त पर्यन्त एवं व्याकरणात्मक- विश्लेषण, कवि की काव्यात्मक विशिष्टता तथा कथानकीय- योजना

**खण्ड–ग (Section–C)**

**संस्कृत गद्यसाहित्य का सर्वेक्षण-**

**घटक (Unit)1–** संस्कृत गद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास, प्रमुख गद्यकवि- सुबन्धु, बाण, दण्डी एवं अम्बिकादत्त व्यास का सामान्य परिचय

**घटक (Unit) 2 –** पञ्चतन्त्र, हितोपदेश, बेतालपञ्चविंशतिका, सिंहासनद्वात्रिंशिका सामान्य परिचय।

**सन्दर्भ ग्रन्थ -**


1. शुकनासोपदेश, प्रह्लाद कुमार, मेहरचन्द लक्ष्मण दास, दिल्ली, १९७४
2. अम्बिकादत्त व्यास, शिवराज विजय, साहित्य भण्डार, मेरठ
3. उमाशंकर शर्मा ऋषि, संस्कृत साहित्य का इतिहास, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
4. बलदेव उपाध्याय, संस्कृत साहित्य का इतिहास, शारदा निकेतन , वाराणसी
5. राधावल्लभ त्रिपाठी, संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

## शिक्षा सत्र २०२०-२१ से प्रभावी

**CBCS आधृत स्नातक स्तरीय (B.A. Programme) संस्कृत**

## संस्कृत मुख्य विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
## Detail of the Core Course for Sanskrit

**सत्र- तृतीय (Semester –3)**

| | | |
|---|---|---|
| **आधारभूत पत्र (Core paper)<br>Paper Code BSA-C311** | **संस्कृत नाटक<br>Sanskrit Drama** | **पूर्णाङ्क 100<br>सत्रान्त परीक्षा : 70<br>सत्रीय मूल्याङ्कन : 30<br>क्रेडिट 06** |

**प्रस्तावित पाठ्यक्रम -**

**खण्ड- (क)** भासकृत प्रतिमानाटकम्, अङ्क- 1&3

**खण्ड- (ख)** कालिदासकृत अभिज्ञानशाकुन्तलम्, अङ्क- चतुर्थ

**खण्ड- (ग)** संस्कृत नाट्यशास्त्र की शास्त्रीय परिभाषाएँ

**खण्ड- (घ)** संस्कृत नाटकों का उद्भव एवं विकास तथा प्रमुख नाटककारों का परिचय

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संस्कृत के दो प्रसिद्ध नाटक अभिज्ञानशाकुन्तलम् तथा प्रतिमानाटकम् से परिचित कराना है । जो न केवल छात्रों का काव्यात्मक ज्ञान वर्धन करेगा, अपितु तत्कालीन सामाजिक तथा मानवीय मूल्यों से अवगत कराएगा ।

**पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम (Course Outcomes)-**

- इसके अध्ययन से छात्र भास व कालिदास की नाट्यकला से परिचित होंगे ।
- उक्त नाटकों में प्रतिपादित जीवनमूल्यों तथा व्यावहारिक ज्ञान से छात्रों का जीवन उत्कृष्ट होगा ।

**घटकानुरूप विभाजन (Unit-Wise Division)**

**खण्ड – क (Section–A)**

**भासकृत प्रतिमानाटकम्, प्रथम एवं तृतीय अङ्क**

**घटक (Unit) –1.** (क) प्रथम अङ्क का परिचय, श्लोक / गद्यखण्ड व्याख्या एवं अनुवाद, नाट्यशास्त्रीय वैशिष्ट्य

(ख) तृतीय अङ्क का परिचय, श्लोक / गद्यखण्ड व्याख्या एवं अनुवाद, नाट्यशास्त्रीय वैशिष्ट्य

**खण्ड- ख (Section–B)**

**अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अङ्क)**

**घटक (Unit) 1.** – चतुर्थ अङ्क का परिचय, श्लोक / गद्यखण्ड की व्याख्या एवं अनुवाद, व्याकरणात्मक टिप्पणी, कवि का काव्यवैशिष्ट्य तथा कथावस्तु-योजना ।

**घटक (Unit) 2.** नाट्यशास्त्रीय वैशिष्ट्य एवं कालिदास की उपमा, कालिदास काव्य में ध्वनि, प्रकृति का मानवीकरण, गृहस्थधर्म आदि विषयों का अध्ययन

**खण्ड- ग (Section–C)**

**संस्कृत नाट्यशास्त्र की शास्त्रीय परिभाषाएँ-**

**घटक (Unit) 1.** नाटक, नायक, नायिका, पूर्वरङ्ग, नान्दी, सूत्रधार, नेपथ्य, प्रस्तावना, कञ्चुकी, विदूषक

**घटक (Unit) 2.** अङ्क, स्वगत, प्रकाश, अपवारित, जनान्तिक, आकाशभाषित, विष्कम्भक, प्रवेशक एवं भरतवाक्य

**खण्ड- घ (Section–D)**

**संस्कृत नाटकों का उद्भव एवं विकास तथा प्रमुख नाटककारों का परिचय**

**घटक (Unit) 1.** संस्कृत नाटकों का उद्भव एवं विकास

**घटक (Unit) 2.** प्रमुख नाटककार भास, कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त, हर्ष एवं भवभूति का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

**सन्दर्भ ग्रन्थ-**


1. प्रतिमानाटकम्, भासनाटकचक्रम्, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी एवं दिल्ली।
2. सुरेन्द्र देव शास्त्री, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, रामनारायण बेनीप्रसाद, इलाहाबाद ।
3. नारायणराम आचार्य, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, निर्णयसागर प्रेस ।
4. C.D. Devadhar (Ed.), Abhijñanaśākuntalam, MLBD, Delhi.
5. Gajendra Gadakar (Ed.), Abhijñanaśākuntalam.
6. दशरूपकम्, धनञ्जय, साहित्य भण्डार, मेरठ
7. दशरूपकम्, धनञ्जय, साहित्य निकेतन, कानपुर
8. साहित्यदर्पण, डॉ0 निरूपण विद्यालङ्कार, साहित्य भण्डार, मेरठ

9. हजारीप्रसाद द्विवेदी, कालिदास की लालित्ययोजना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
10. कपिलदेव द्विवेदी, संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, अनिल प्रिण्टर्स, इलाहाबाद
11. Minakshi Dalal, Conflict in Sanskrit Drama, Somaiya Publication Pvt. Ltd.
12. Ratnamayi Dikshit, Women in Sanskrit Dramas, Meherchand Lacchman Das,Delhi.
13. A.B. Keith, Sanskrit Drama, Oxford University Press London, 1970.
14. Minakshi Dalal, Conflict in Sanskrit Drama, Somaiya Publication Pvt. Ltd.
15. G. K. Bhat, Sanskrit Drama, Karnataka University Press, Dharwar, 1975.

**B.A. Sanskrit**

**संस्कृत MIL विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम**

**Detail of the MIL Course for Sanskrit**

**सत्र- तृतीय (Semester –3)**

| | | |
|---|---|---|
| **आधारभूत पत्र (Core paper)** **Paper Code BSG-C311** | **व्याकरण और अनुवाद Grammar and Translation** | **पूर्णाङ्क : 100** **सत्रान्त परीक्षा : 70** **सत्रीय मूल्याँकन : 30** **क्रेडिट : 06** |

**प्रस्तावित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)**

**खण्ड- क (Section-A)** संज्ञा एवं सन्धि

**खण्ड- ख (Section-B)** समास

**खण्ड- ग (Section-C)** विभक्त्यर्थ प्रकरण

**खण्ड- घ (Section-D)** रचना

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संस्कृत के सामान्य व्याकरण संज्ञा, सन्धि तथा विभक्ति प्रकरण का ज्ञान लघुसिद्धान्तकौमुदी के माध्यम से कराना है । छात्र अष्टाध्यायी सूत्रों के अनुप्रयोगात्मक ज्ञान से अवगत होंगे ।

**पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम (Course Outcome) –**

- इस पत्र के अध्ययन से छात्र संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर शुद्ध संस्कृत लेखन - पठन में सक्षम होंगे ।
- छात्र इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों का व्याकरणात्मक ज्ञान वृद्धि होगी ।

**घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)**

**खण्ड – क (Section–A)**

**संज्ञा और सन्धि**

**घटक (Unit)- 1.** संज्ञा प्रकरण , लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार सन्धियाँ- अच्, यण्, गुण, अयादि, वृद्धि , पूर्वरूप ।

**घटक (Unit) – 2.** हल् और विसर्गसन्धि - श्चुत्व, ष्टुत्व, अनुनासिकत्व , छत्व, जश्त्व, सत्व, उत्व, लोप, रुत्व ।

## खण्ड –ख (Section–B)

## समास

**घटक (Unit) –** 1. समास का सामान्य परिचय और प्रकार।

## खण्ड–ग (Section–C)

## विभक्त्यर्थ प्रकरण

**घटक (Unit) 1 -** विभक्त्यर्थ प्रकरण ( लघुसिद्धान्तकौमुदी) ।

## खण्ड–घ (Section–D)

## रचना

**घटक (Unit) – 1-** पारम्परिक और आधुनिक विषयों पर लघुनिबन्ध। संस्कृत से हिन्दी अनुवाद और हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद ।

**Suggested Books/Readings :**


1. धरानन्द शास्त्री, लघुसिद्धान्तकौमुदी, मूल एवं हिन्दी व्याख्या, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
2. भीमसेन शास्त्री, लघुसिद्धान्तकौमुदी, भैमी व्याख्या (भाग-1), भैमी प्रकाशन, दिल्ली।
3. चारुदेव शास्त्री, व्याकरण चन्द्रोदय (भाग-1,2 एवं 3), मोतीलाल, बनारसीदास, दिल्ली।
4. सत्यपाल सिंह (सम्पा.), लघुसिद्धान्तकौमुदी, प्रकाशिका नाम्नी हिन्दी व्याख्या सहिता, शिवालिक पब्लिकेशन, दिल्ली, २०१४ ।
5. स्वामी दयानन्द सरस्वती, सामासिक, परोपकारिणी सभा, अजमेर
6. V.S. Apte, The Students' Guide to Sanskrit Composition, Chowkhamba Sanskrit Series, Varanasi (Hindi Translation also available).
7. M.R. Kale, Higher Sanskrit Grammar, MLBD, Delhi (Hindi Translation also available).
8. Kanshiram, Laghusiddhāntakaumudī (Vol. I), MLBD, Delhi, 2009.
9. Online Tools for Sanskrit Grammar developed by Computational Linguistics Group, Department of Sanskrit, University of Delhi: http://sanskrit.du.ac.in.

**B.A. Sanskrit**

**संस्कृत स्किल विषयक विस्तृत पाठ्यक्रम**

**Detail of the Skill Course for Sanskrit**

**सत्र- तृतीय (Semester –3)**

| आधारभूत पत्र (Core paper) Paper Code BSA-S311 | ज्योतिष के मौलिक सिद्धान्त Basic Elements of Jyotisha | पूर्णाङ्क 100<br>सत्रान्त परीक्षा : 70<br>सत्रीय मूल्याँकन : 30<br>क्रेडिट : 06 |
|---|---|---|

**खण्ड – क (Section–A)** ज्योतिष का उद्भव, विकास और शाखाएँ
**खण्ड – ख (Section–B)** ज्योतिष चन्द्रिका- संज्ञाप्रकरण
**खण्ड – ग (Section–C)** ज्योतिष चन्द्रिका- संज्ञाप्रकरण

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को ज्योतिष के सामान्य तत्त्वों से परिचित कराना है। इस पाठ्यक्रम में ज्योतिषशास्त्र का उद्भव, विकास, विभिन्न शाखाओं का परिचय तथा ज्योतिष चन्द्रिका के पठन को समाहित किया गया है ।

**पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम (Course Outcome)**

- इस पत्र के अध्ययन से छात्र ज्योतिष का ज्ञान प्राप्त कर अपने जीवन में प्रयोग करने में सक्षम होंगे ।
- इस पाठ्यक्रम का ज्ञान छात्रों के स्वालम्बन में सहायक सिद्ध होगा ।

**घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)**

**खण्ड – क (Section–A)**

**ज्योतिष का उद्भव, विकास और शाखाएँ**

**घटक (Unit) –1** ज्योतिष का उद्भव एवं विकास

**घटक (Unit) –2** (क) ज्योतिष की निम्नलिखित शाखाओं का सामान्य परिचय-
सिद्धान्त, संहिता, होरा, ताजिक, प्रश्न, वास्तुशास्त्र और मुहूर्तशास्त्र ।

## खण्ड –ख (Section–B)

## ज्योतिष चन्द्रिका- संज्ञा प्रकरण

**घटक (Unit) –1** (क) ज्योतिष चन्द्रिका- संज्ञा प्रकरण (श्लोक १-२९)

**घटक (Unit) –2** (क) ज्योतिष चन्द्रिका- संज्ञा प्रकरण (श्लोक ३०-६५)

## खण्ड–ग (Section–C)

## ज्योतिष चन्द्रिका- संज्ञा प्रकरण

**घटक (Unit)1–** ज्योतिष चन्द्रिका- संज्ञा प्रकरण (श्लोक ६६-९०)

**घटक (Unit) 2–** ज्योतिष चन्द्रिका- संज्ञा प्रकरण (श्लोक ९१-११५)

## Suggested Books/Readings:

1. रेवती रमण शर्मा, ज्योतिष चन्द्रिका।

2.अच्युतानन्द झा (अनु०), बृहत्संहिता, चौखम्भा विद्याभवन वाराणसी

3. शंकर बालकृष्ण दीक्षित एवं शिवनाथ झारखण्डी, भारतीय ज्योतिष,हिन्दी समिति, उत्तरप्रदेश लखनऊ।

4. Nincichandra Shastri, Bharatiya Jyotisa, Bharatiya Gyanpeeth, Varanasi.

5. M. Ramakrishna Bhat (Trans.), Brhatsamhita, Motilal Banarasidas. Vol-1 & 2, Delhi.

6. Deviprasad Tripathi. ब्रह्माण्ड एवं सौर परिवार

7. Devi Prasad Tripathi, भुवनकोश, Delhi.

**B.A. Sanskrit**
**संस्कृत स्किल विषयक विस्तृत पाठ्यक्रम**
**Detail of the Skill Course for Sanskrit**
**सत्र- तृतीय (Semester –3)**

| | | |
|---|---|---|
| **आधारभूत पत्र (Core paper)**<br>**Paper Code BSA-S312** | **भारतीय वास्तुकला प्रणाली**<br>**Indian Architecture System** | **पूर्णाङ्क 100**<br>**सत्रान्त परीक्षा : 70**<br>**सत्रीय मूल्याँकन : 30**<br>**क्रेडिट : 06** |

**खण्ड – क (Section–A) टोडरमल का वास्तुसौख्यम्**
**खण्ड – ख (Section–B) टोडरमल का वास्तुसौख्यम्**
**खण्ड– ग (Section–C) टोडरमल का वास्तुसौख्यम्**
**खण्ड– घ (Section–D) टोडरमल का वास्तुसौख्यम्**

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**
वास्तुशास्त्र प्राचीन भारत के स्थापत्य तथा निर्माण कला का विज्ञान है। वास्तुशास्त्र पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को प्रमुख परिकल्पना, नक्शा, मापन, आधार तथा स्थान-प्रबन्धन से परिचित कराना है।

**पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम (Course Outcome)**
- इस पत्र के अध्ययन से छात्र प्राचीन भारत की स्थापत्यकला से अवगत होंगे।
- इस पत्र के माध्यम से छात्र वास्तुशास्त्र का प्रारम्भिक ज्ञान प्राप्त कर उच्च अध्ययन में समर्थ होंगे।

**घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)**

**खण्ड – क (Section–A)**
**टोडरमल का वास्तुसौख्यम्**

घटक (Unit) –1 टोडरमल का वास्तुसौख्यम् अध्याय – १, श्लोक ४-१३
वास्तु प्रयोजन और वास्तुस्वरूप

घटक (Unit) –2 (क) टोडरमल का **वास्तुसौख्यम् अध्याय – २,** श्लोक १४-२२
भूमि-परीक्षण, दीक्षाधानम् तथा निवासहेतु स्थाननिर्वाचन

**खण्ड –ख (Section–B)**

**टोडरमल का वास्तुसौख्यम्**

घटक (Unit) –1(क) टोडरमल का वास्तुसौख्यम् अध्याय – ३, श्लोक ३१-४९,७४-८२
गृह पर्यावरण, वृक्षारोपण तथा शल्य-शोधनम्

घटक (Unit) – 2 (क) टोडरमल का वास्तुसौख्यम् अध्याय – ४, श्लोक ८३-१०२, १०७-११२
षड्वर्गपरिशोधनम् , वास्तुचक्रम् तथा शिलान्यास

**खण्ड–ग (Section–C)**

**टोडरमल का वास्तुसौख्यम्**

घटक (Unit)1– टोडरमल का वास्तुसौख्यम् अध्याय – ६, श्लोक १७१-१९४ तथा १९५-१९६
पञ्चविधानि गृहाणि , शाला- आलिन्दप्रमाणम् तथा वीथिका प्रमाण

घटक (Unit) 2– टोडरमल का वास्तुसौख्यम् अध्याय - ७ श्लोक, २०३-२१७
द्वारज्ञान-स्तम्भ-प्रमाण, पञ्च चतुः शालानि गृहाणि- सर्वतोभद्रम्, नन्द्यावर्तम्, वर्धमानम् , स्वस्तिकम् तथा रुचकम्

**खण्ड–घ (Section–D)**

**टोडरमल का वास्तुसौख्यम्**

घटक (Unit)1– टोडरमल का वास्तुसौख्यम् अध्याय – ८, श्लोक २८७-३०२ तथा ३०५-३०७
एकाशीति-पद-वास्तुचक्रम् तथा मर्मस्थानानि

घटक (Unit) 2– टोडरमल का वास्तुसौख्यम् अध्याय – ९, श्लोक ३२२-३३५, ३५९-३६९
वासादिशानिरूपणम्, द्वारफलम् तथा द्वारवेधफलम्

**Suggested Books/Readings:**

1. Shukdeo Chaturvedi, Bhāratiya Vāstu Sāstra, Sri Lal Bahadur Shasrti Rastriya Sanskrit

Vidyapeeth, New Delhi.
2. Vinod Shasrti and Shitaram Sharma, Vāstuprabodhinī, Motilal Banarsidas, Delhi.
3. Rammanohar Dwivedi and Dr. Brahmanand Tripathi, Vrihadvāstumāmā, Chaukhamba Surbharati Prakashan, Varanasi, 2112.
4. Deviprasad Tripathi, Vāstusāra, Eastern Book Linkers, Delhi, 2115.
5. Jeevanaga, Vāsturatnāvali.

## शिक्षा सत्र २०२०-२१ से प्रभावी
### स्नातक स्तरीय (B.A. Programme) संस्कृत(CBCS) आधृत

**सत्र- चतुर्थ (Semester – 4)**

| | | |
|---|---|---|
| **आधारभूत पत्र (Core paper) Paper Code BSA-C411** | **संस्कृत व्याकरण Sanskrit Grammar** | **पूर्णाङ्क 100<br>सत्रान्त परीक्षा : 70<br>सत्रीय मूल्याँकन : 30<br>क्रेडिट : 06** |

**प्रस्तावित पाठ्यक्रम**

| | |
|---|---|
| **खण्ड- क (Section–A)** | संज्ञा प्रकरण- लघुसिद्धान्तकौमुदी |
| **खण्ड- ख (Section–B)** | सन्धिप्रकरण- महर्षि दयानन्द सरस्वती |
| **खण्ड- ग (Section–C)** | विभक्त्यर्थ प्रकरण- लघुसिद्धान्तकौमुदी |
| **खण्ड- घ (Section-D)** | अनुवाद एवं निबन्ध |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संस्कृत के सामान्य व्याकरण से परिचित कराना है।

**पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम (Course Outcome)**

- इस पत्र के अध्ययन से छात्र संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर शुद्ध संस्कृत लेखन - पठन में समर्थ होंगे।
- यह पाठ्यक्रम छात्रों का व्याकरणात्मक ज्ञान वृद्धि कर उच्च अध्ययन में सहायक होगा।

**खण्ड – क (Section–A)**

**संज्ञा प्रकरण- लघुसिद्धान्तकौमुदी**

घटक (Unit) –1 (क) संज्ञा प्रकरण (सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या)

**खण्ड – ख (Section–B)**

**सन्धिप्रकरण- महर्षि दयानन्द सरस्वती**

घटक (Unit) - 1 अच् सन्धि- यण्, गुण, दीर्घ, अयादि, वृद्धि और पूर्वरूप सन्धि

घटक (Unit) - 2 हल् सन्धि - श्चुत्व, ष्टुत्व, अनुनासिकत्व, छत्व, जश्त्व

घटक (Unit) - 3 विसर्ग सन्धि- सत्व, उत्व, लोप, रुत्व

## खण्ड- ग (Section–C)

**विभक्त्यर्थ प्रकरण- लघुसिद्धान्तकौमुदी**

घटक (Unit)-1 विभक्त्यर्थ प्रकरण (सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या एवं विभक्तिज्ञानपरक प्रश्न)

## खण्ड- घ (Section-D)

**अनुवाद एवं निबन्ध**

**घटक (Unit) – 1** पारम्परिक और आधुनिक विषयों पर संस्कृत भाषा में लघुनिबन्ध।

**घटक (Unit) – 2** संस्कृत से हिन्दी अनुवाद तथा हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद ।

**सन्दर्भ ग्रन्थ-**


1. सन्धिविषय- महर्षिदयानन्दसरस्वती, परोपकारिणी सभा ,अजमेर (राजस्थान) ।
2. भीमसेन शास्त्री, लघुसिद्धान्तकौमुदी, भैमी व्याख्या, भाग 1, भैमी प्रकाशन, दिल्ली ।
3. सत्यपाल सिंह, (सम्पा०) लघुसिद्धान्तकौमुदी, प्रकाशिका नाम्नी हिन्दीव्याख्या सहिता, शिवालिक पब्लिकेशन, दिल्ली 2014
4. महर्षि दयानन्द, कारकीयम्, परोपकारिणी सभा, अजमेर (राजस्थान) ।
5. कपिलदेव द्विवेदी, प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी तथा रचनानुवाद कौमुदी

**B.A. Sanskrit**
**संस्कृत MIL विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम**
**Detail of the MIL Course for Sanskrit**

**सत्र- चतुर्थ (Semester – 4)**

| | | |
|---|---|---|
| **आधारभूत पत्र (Core paper)**<br>**Paper Code BSG-C411** | **व्याकरण और अनुवाद**<br>**Grammar and Translation** | **पूर्णाङ्क : 100**<br>**सत्रान्त परीक्षा : 70**<br>**सत्रीय मूल्याँकन : 30**<br>**क्रेडिट : 06** |

**प्रस्तावित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)**

**खण्ड- क (Section-A)** कृत्प्रत्यय

**खण्ड- ख (Section-B)** समास

**खण्ड- ग (Section-C)** विभक्त्यर्थ प्रकरण

**खण्ड- घ (Section-D)** रचना

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संस्कृत के सामान्य व्याकरण संज्ञा, सन्धि तथा विभक्ति प्रकरण का ज्ञान लघुसिद्धान्तकौमुदी के माध्यम से कराना है । छात्र अष्टाध्यायी सूत्रों के अनुप्रयोगात्मक ज्ञान से अवगत होंगे ।

**पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम (Course Outcome) –**

- इस पत्र के अध्ययन से छात्र संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर शुद्ध संस्कृत लेखन - पठन में सक्षम होंगे ।
- छात्र इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों का व्याकरणात्मक ज्ञान वृद्धि होगी ।

**घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)**

**खण्ड – क (Section–A)**

**कृत्प्रत्यय**

**घटक (Unit) - 1.** तव्य, अनीयर्, यत्, ण्वुल्, तृच्, क्त और क्तवतु प्रत्ययों का सामान्य अध्ययन एवं प्रयोग ।

**घटक (Unit) - 2.** शतृ, शानच्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन् और क्तिन् प्रत्ययों का अध्ययन एवं प्रयोग ।

## खण्ड –ख (Section–B)

## समास

**घटक (Unit) –** 1. समास का सामान्य परिचय और प्रकार।

## खण्ड–ग (Section–C)

## विभक्त्यर्थ प्रकरण

**घटक (Unit) 1** विभक्त्यर्थ प्रकरण ( लघुसिद्धान्तकौमुदी) ।

## खण्ड–घ (Section–D)

## रचना

**घटक (Unit) – 1** पारम्परिक और आधुनिक विषयों पर संस्कृत भाषा में लघुनिबन्ध।

**घटक (Unit) – 2** संस्कृत से हिन्दी अनुवाद और हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद ।

**Suggested Books/Readings :**


1. धरानन्द शास्त्री, लघुसिद्धान्तकौमुदी, मूल एवं हिन्दी व्याख्या, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
2. भीमसेन शास्त्री, लघुसिद्धान्तकौमुदी, भैमी व्याख्या (भाग-1), भैमी प्रकाशन, दिल्ली।
3. चारुदेव शास्त्री, व्याकरण चन्द्रोदय (भाग-1,2 एवं 3), मोतीलाल, बनारसीदास, दिल्ली।
4. सत्यपाल सिंह (सम्पा.), लघुसिद्धान्तकौमुदी, प्रकाशिका नाम्नी हिन्दी व्याख्या सहिता, शिवालिक पब्लिकेशन, दिल्ली, २०१४ ।
5. स्वामी दयानन्द सरस्वती, सामासिक, परोपकारिणी सभा, अजमेर
6. V.S. Apte, The Students' Guide to Sanskrit Composition, Chowkhamba Sanskrit Series, Varanasi (Hindi Translation also available).
7. M.R. Kale, Higher Sanskrit Grammar, MLBD, Delhi (Hindi Translation also available).
8. Kanshiram, Laghusiddhāntakaumudī (Vol. I), MLBD, Delhi, 2009.
9. Online Tools for Sanskrit Grammar developed by Computational Linguistics Group, Department of Sanskrit, University of Delhi: http://sanskrit.du.ac.in.

**B.A. Sanskrit**

# संस्कृत स्किल विषयक विस्तृत पाठ्यक्रम
# Detail of the Skill Course for Sanskrit

**सत्र- चतुर्थ (Semester –4)**

| | | |
|---|---|---|
| **आधारभूत पत्र (Core paper)**<br>**Paper Code BSA-S411** | **आयुर्वेद के मूल तत्त्व**<br>**Basic Elements of Ayurveda** | **पूर्णाङ्क : 100**<br>**सत्रान्त परीक्षा : 70**<br>**सत्रीय मूल्याँकन : 30**<br>**क्रेडिट : 06** |

**प्रस्तावित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)**

**खण्ड – क (Section–A)** आयुर्वेद का परिचय

**खण्ड –ख (Section–B)** चरकसंहिता ( सूत्रस्थानम्)

**खण्ड – ग (Section–C)** योगशतम्

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

आयुर्वेद भारतीय पारम्परिक चिकित्सा विज्ञान की विधा है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र आयुर्वेद का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इस पाठ्यक्रम से प्राप्त ज्ञान छात्रों के दैनिक जीवन में उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं सर्वविध उन्नति में सहायक सिद्ध होगा। इसके माध्यम से छात्र सामान्य रोगों के उपचार निमित्त औषधियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

**पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम (Course Outcome) -**

- इस पत्र के अध्ययन से छात्र सामान्य रोगों के आयुर्वैदिक उपचार कर सकेगा ।
- आयुर्वेद तथा योग के ज्ञान प्राप्त कर छात्र विविध अर्थोपार्जन में समर्थ होगा

**घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)**

**खण्ड – क (Section–A)**

**आयुर्वेद का परिचय**

**घटक (Unit) –1** आयुर्वेद का सामान्य परिचय तथा भारतीय चिकित्सा का इतिहास

**घटक (Unit) –2** आयुर्वेद के मुख्य आचार्य – धन्वन्तरी, पुनर्वसु, चरक, सुश्रुत, वाग्भट्ट, माधव, सारंगधर और भावमिश्र

## खण्ड –ख (Section–B)

## चरकसंहिता ( सूत्रस्थानम्)

**घटक (Unit) –1** चरकसंहिता ( सूत्रस्थानम्) षट् ऋतुओं में प्रकृति एवं शरीर की स्थिति; हेमन्त, शिशिर, वसन्त, ग्रीष्म, वर्षा तथा शरद में ऋतुचर्या।

## खण्ड–ग (Section–C)

## योगशतम्

**घटक (Unit)-1** योगशतम् (1-50 श्लोक) के आधार पर प्रमुख रोगों की सरल व एवं अमोघ चिकित्सा

**Suggested Books/Readings :**


1. Brahmananda Tripathi (Ed.), Carakasamhitā, Chaukhamba Surbharati Prakashana, Varanasi 2005.
2. Taittirīyopani_ad –Bh_guvalli.
3. Atridev Vidyalankar, Ayurveda ka Brhad itihasa.
4. Priyavrat Sharma, Caraka Chintana.
5. V. Narayanaswami, Origin and Development of Āyurveda ( A brief history), Ancient Science of life, Vol. 1, No. 1, July 1981, pages 1-7.
6. योगशतम्, सम्पादक आचार्य बलकृष्ण / प्रो० विजयपाल प्रचेता प्रकाशक पतञ्जलि योगपीठ, हरिद्वार।

## B.A. Sanskrit
## संस्कृत स्किल विषयक विस्तृत पाठ्यक्रम
## Detail of the Skill Course for Sanskrit

**सत्र- चतुर्थ (Semester –4)**

| | | |
|---|---|---|
| **आधारभूत पत्र (Core paper)** <br> **Paper Code BSA-S412** | **संस्कृत के लिए संगणक जागरूकता** <br> **Computer Awareness for Sanskrit** | **पूर्णाङ्क 100** <br> **सत्रान्त परीक्षा : 70** <br> **सत्रीय मूल्याँकन : 30** <br> **क्रेडिट : 06** |

**प्रस्तावित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)**

**खण्ड – क (Section–A)** संगणक- विषयक आधारभूत जानकारी

**खण्ड – ख (Section–B)** संस्कृत पाठ्य-पुस्तकों के संरक्षणार्थ डिजिटलीकरण हेतु यूनिकोड में टाइपिंग

**खण्ड – ग (Section–C)** वेब प्रकाशन

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य –**

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र संगणक विषयक सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। समसामयिक संगणकविषयक प्रसिद्ध सॉफ्टवेयर एवं विण्डो आदि का ज्ञान प्राप्त कर छात्र दैनिक जीवन में महत्त्वपूर्णलाभ उठा सकेंगे।

**पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम (Course Outcome) -**

- इस पत्र के अध्ययन से छात्र संगणक विषयक ज्ञान प्राप्त कर संस्कृत में पाठ्य सामग्री निर्माण कर सकेगा।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से संगणक ज्ञान प्राप्त कर छात्र संस्कृत की पाण्डुलिपि को संरक्षण तथा डिजिटलीकरण में समर्थ हो सकेगा।

**घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)**

**खण्ड – क (Section–A)**

**संगणक- विषयक आधारभूत जानकारी**

**घटक (Unit) –1** संगणक- सञ्चालन प्रणाली (operating system )

**घटक (Unit) - 2** इण्टरनेट, वेब सर्च (देवनागरी और रोमन लिपियों में संस्कृत विषयक ई-टैक्स्ट / ई-बुक की खोज), ईमेल आदि

**घटक (Unit) –3** M.S. Office (word, powerpoint, excel Etc. )

## खण्ड –ख (Section–B)

## संस्कृत पाठ्य-पुस्तकों के संरक्षणार्थ डिजिटलीकरण हेतु यूनिकोड में टाइपिंग

**घटक (Unit) –1** करेक्टर (स्वरूप) एन्कोडिंग (Character encoding), यूनिकोड, एएससीआईआई ASCII, यूटीएफ UTF -8, यूटीएफ -16

**घटक (Unit) 2 -** विभिन्न सॉफ्टवेयर्स के माध्यम से यूनिकोड में टाइपिंग

**घटक (Unit) 3** - संस्कृत पाठ्यसामग्री का डिजिटलीकरण / संरक्षण एवं भण्डारण

## खण्ड–ग (Section–C)

## वेब प्रकाशन

**घटक (Unit) 1**– आधारभूत (Basics) HTML, जावा लिपियाँ और सीएसएस

**घटक (Unit) 2**– डेटाबेस की आधारभूत जानकारी

**Suggested Books/Readings:**


1. Tom Henderson (April 17, 2014). "Ancient Computer Character Code Tables – and Why They're Still Relevant". Smart bear. Retrieved 29 April 2014.
2. Unicode Technical Report #17: Unicode Character Encoding Model". 2008-11-11. Retrieved 2009-08-08. At: http://www.unicode.org/reports/tr17/
3. Constable, Peter (2001-06-13). "Character set encoding basics". Implementing Writing Systems: An introduction.SIL International. Retrieved 2010-03-19.
4. Devanagari Unicode Chart at: http://unicode.org/charts/PDF/U0900.pdf
5. The Unicode Consortium: http://unicode.org/
6. W3Schools Online Web Tutorials: http://www.w3schools.com/
7. Microsoft Office 2013 Online Tutorials: https://www.microsoft.com/enable/training/office2013/

# B.A. Sanskrit
## संस्कृत स्किल विषयक विस्तृत पाठ्यक्रम
## Detail of the Skill Course for Sanskrit
### सत्र- पञ्चम

| आधारभूत पत्र (Core paper) Paper Code BSA-S511 | संस्कृत के लिए ई-लर्निंग उपकरण और तकनीक E-learning Tools and Techniques for Sanskrit | पूर्णाङ्क 100 सत्रान्त परीक्षा : 70 सत्रीय मूल्याँकन : 30 क्रेडिट : 06 |
|---|---|---|

**खण्ड – क (Section–A)** संवादात्मक संस्कृत शिक्षण एवं अधिगम के उपकरण
**खण्ड –ख (Section–B)** भारतीय भाषाओं (यूनिकोड) और ई-लर्निंग उपकरण के लिए मानक
**खण्ड – ग (Section–C)** संस्कृत पाठ्य-पुस्तकों के लिए ई-सामग्री निर्माण
**पाठ्यक्रम का उद्देश्य –**

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र ई-लर्निंग विषयक सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इसके माध्यम से छात्रों को उन सॉफ्टवेयर एवं एप्लिकेसन की जानकारी दी जायेगी, जिनके द्वारा वे संस्कृत पाठ के लिये ऑनलाईन अध्ययन की सामग्री का निर्माण एवं उपयोग कर सकें।

**पाठ्यक्रम –अध्ययनपरिणाम(Course Outcomes)-**

- इस के अध्ययन से छात्र ई-लर्निग के विविध विधियों तथा संसाधनों से परिचित होंगे।
- टंकण तथा पाठ्यसामग्री के डिजिटलीकरण तथा प्रसंस्करण आदि में समर्थ होंगे।
- तकनीकी ज्ञान के उपयोग से छात्र अर्थोपार्जन को समझने में समर्थ होंगे।

**घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)**

**खण्ड – क (Section–A)**

**संवादात्मक संस्कृत शिक्षण एवं अधिगम के उपकरण**

**घटक (Unit) – 1** ई-लर्निंग, ई-लर्निंग का सामान्य परिचय, ई-लर्निंग के लाभ और हानि, ई-लर्निंग संरचना तथा ई-लर्निंग अधिगम।

**घटक (Unit) –2** (क) संस्कृत के लिए संवादात्मक साधनों का संक्षिप्त परिचय, मल्टीमीडिया की सामान्य जानकारी,

वेब आधारित उपकरणों का विकास, HTML, वेब-पेज आदि एवं उपकरण और तकनीक ।

**घटक - 3** - ई-लर्निंग उपकरण और तकनीकों का सर्वेक्षण ।

## खण्ड –ख (Section–B)

## भारतीय भाषाओं (यूनिकोड) और ई-लर्निंग उपकरण के लिए मानक

**घटक (Unit) –1**(क) देवनागरी लिपियों में यूनिकोड टाइपिंग, टाइपिंग उपकरण और सॉफ्टवेयर ।

**घटक (Unit) – 2** (क) उपलब्ध विभिन्न ई-लर्निंग उपकरणों का परिचय।

## खण्ड–ग (Section–C)

## संस्कृत पाठ्य-पुस्तकों के लिए ई-सामग्री निर्माण

**घटक (Unit)1**– सामग्री का डिजिटलीकरण, पाठ प्रसंस्करण संरक्षण, तकनीक।

**घटक (Unit) 2**– डेटाबेस का परिचय, निर्माण(Create), चुनाव (Select), निवेशन (Insert), नष्ट-करना (Delete), सुधार (Update) तथा यूनिकोड डेटा का प्रबन्धन(Handling Unicode data)।

## Suggested Books/Readings:

1. Tools developed by Computational Linguistics Group, Department of Sanskrit, University of Delhi, Delhi-110007 available at: http://sanskrit.du.ac.in
2. Basic concept and issues of multimedia: http://www.newagepublishers.com/samplechapter/001697.pdf
3. Content creation and E-learning in Indian languages: a model: http://eprints.rclis.org/7189/1/vijayakumarjk_01.pdf
4. HTML Tutorial - W3Schools: www.w3schools.com/html
5. The Unicode Consortium: http://unicode.org/
6. S. B. Gupta & A. Mittal, Introduction to Database Management System, Laxmi Publications, 2110.
7. Database Tutorial - W3Schools: www.w3schools.com/sql
8. Kwok-Wing Lai, E-Learning: Teaching and Professional Development with the Internet, Otago University Press, 2001.
9. Albert Traver, E-Learning: Methods, Modules and Infrastructure, Clanrye International, 2115.

10. P. P. Singh & Sandhir Sharma, E-Learning: New Trends and Innovations, Deep & Deep Publications Pvt. Ltd, 2005.
11. Steinmetz, Multimedia Fundamentals, Volume 1: Media Coding and Content Processing, Pearson Education, 2004.

## B.A. Sanskrit
## संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
## Detail of the Core Course for Sanskrit
### सत्र- पञ्चम (Semester –5)

| | | |
|---|---|---|
| **आधारभूत पत्र (Core paper)**<br>**Paper Code BSA-S512** | **पातञ्जल योगसूत्र**<br>**Yogasutra of Patanjali** | **पूर्णाङ्क : 100**<br>**सत्रान्त परीक्षा : 70**<br>**सत्रीय मूल्याँकन : 30**<br>**क्रेडिट : 06** |

**खण्ड – क (Section–A)** योगसूत्र (पतञ्जलि) - समाधि पाद
**खण्ड –ख (Section–B)** योगसूत्र (पतञ्जलि) - साधन पाद
**खण्ड – ग (Section–C)** योगसूत्र (पतञ्जलि) - विभूति पाद

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र विश्वप्रसिद्ध योगदर्शन के महत्त्वपूर्ण तथ्यों से अवगत हो सकेंगे । इसके माध्यम से छात्र अपने जीवन की समस्याओं तनाव, अवसाद एवं विविध मानसिक व्याधियों से मुक्त होने का मार्ग प्राप्त कर सकेंगे। योग की दार्शनिक पृष्ठभूमि से भी छात्र अवगत हो सकेंगे ।

**पाठ्यक्रम – अध्ययनपरिणाम(Course Outcomes)-**

- इसके अध्ययन से छात्र जीवन के त्रिविध दुखों से आत्यन्तिक मुक्ति की ओर प्रवृत्त हों सकेंगे ।
- छात्र जीवन के तनाव अवसाद मानसिक व्याधियों से मुक्त होकर स्वस्थ्य रहेंगे ।
- योगज दिव्यविभूतियों की प्राप्ति के लिये प्रेरित होंगे ।

**घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)**

### खण्ड – क (Section–A)
### योगसूत्र (पतञ्जलि) - समाधि पाद

**घटक (Unit) –1** पतञ्जलि का योगसूत्र- समाधि पाद (सूत्र 1-15)
**घटक (Unit) –2** पतञ्जलि का योगसूत्र ; समाधि पाद (सूत्र 16-29)

### खण्ड –ख (Section–B)

## योगसूत्र (पतञ्जलि) - साधन पाद

घटक (Unit) –1(क) पतञ्जलि का योगसूत्र- साधन पाद (सूत्र 29-45)

घटक (Unit) – 2 (क) पतञ्जलि का योगसूत्र- साधन पाद (सूत्र 46-55)

**घटक (Unit) – 3** प्रमुख आसनों का महत्त्व - प्रयोगात्मक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान ( पद्मासन, सिद्धासन, ताड़ासन, मत्स्यासन,शीर्षासन, मयूरासन,बद्धपद्मासन,गोमुखासन,अर्धमत्स्येन्द्रासन, उत्तानपादासन, हलासन,चक्रासन, शलभासन, भुजंगासन,पश्चिमोत्तानासन, पवनमुक्तासन, सूर्यनमस्कार ।

घटक (Unit) – 4 प्रमुख प्राणायामों का महत्त्व- बाह्य कुम्भक, आभ्यन्तर कुम्भक, बाह्याभ्यन्तरविषयाक्षेपी, अनुलोम-विलोम, भस्त्रिका, उज्जायी, शीतली तथा कपालभाति क्रिया ।

## खण्ड–ग (Section–C)

## योगसूत्र (पतञ्जलि) - विभूति पाद

**घटक (Unit)1–** पतञ्जलि का योगसूत्र- विभूति पाद (सूत्र 1- 6, 16 - 34)

**Suggested Books/Readings:**

1. Pātanjala Yogadarśana, Gita Press, Gorakhpur.
2. Yogapradīpa, Gita Press, Gorakhpur.

## B.A. Sanskrit
## संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
## Detail of the Core Course for Sanskrit
## सत्र- पंचम
## Semester –5

| | | |
|---|---|---|
| **आधारभूत पत्र (Core paper)**<br>**Paper Code BSA-E511** | **संस्कृत परम्परा में धर्म दर्शन एवं संस्कृति** | **पूर्णाङ्क 100**<br>**सत्रान्त परीक्षा : 70**<br>**सत्रीय मूल्याँकन : 30**<br>**क्रेडिट : 06** |

**प्रस्तावित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)**

**खण्ड- क (Section-A)** धर्म

**खण्ड- ख(Section-B)** संस्कार एवं पुरुषार्थ चतुष्टय

**खण्ड- ग(Section-C)** स्वधर्म

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य –**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को भारतीय दर्शन के प्रमुख तत्वों धर्म एवं संस्कृति के स्वरूप का परिचय प्रदान करना है ।

**पाठ्यक्रम-अध्ययनपरिणाम(Course Comes)-**

- छात्र भारतीय दर्शन एवं संस्कृति के तत्वों को समझ कर अपने जीवन को सुखी एवं आनन्दित बनायेगें ।
- धर्म एवं दर्शन के मूलतत्वों के समझने से सांप्रदायिक विद्वेष एवं कलह दूर होगा ।

**घटकानुरूप विभाजन (Unit-Wise Division)**

### खण्ड – क (Section–A)
### धर्म

**घटक (Unit)- 1**–ईश्वर का स्वरूप एवं उपासना विषय ( ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका, महर्षि दयानन्द दसरस्वती ) के अनुसार।

**घटक (Unit)- 2 -** धर्म का स्वरूप एवं दस-लक्षण। सत्य, अहिंसा, अस्तेय तथा अपरिग्रह का स्वरूप,

पञ्च-महायज्ञ एवं त्रिविध ऋण ।

**घटक (Unit)- 3-** ईश्वरीय-सृष्टि के कारण-दैवीय भाग्य, अदृष्ट तथा त्रिविध कर्म - सञ्चित, क्रियमाण और प्रारब्ध तथा कर्मफल सिद्धान्त ।

## खण्ड –ख (Section–B)

## पुरुषार्थ चतुष्टय एवं संस्कार

**घटक (Unit) –**1 मानव जीवन का उद्देश्य - पुरुषार्थ चतुष्टय ।

**घटक (Unit) – 2** संस्कारोंकी विधि, संस्कारोंका महत्त्व ।

## खण्ड–ग (Section–C)

## स्वधर्म

**घटक (Unit) 1-**नैतिकता का जीवन में महत्त्व- स्वधर्म(गीता अध्याय 18 श्लोक सं० ४१-४७), कर्मयोग (गीता अध्याय 3 के अनुसार), और स्थितप्रज्ञ (गीता अध्याय २, श्लोक सं.-54-72) ।

**घटक (Unit) 2 -** प्रकृति के गुणत्रय एवं उसका मनुष्य के व्यक्तित्व पर प्रभाव (गीता - अध्याय – 13, श्लोक सं.- 5,6 तथा अध्याय – 14, श्लोक सं.- 5,6,7,8, 11, 12, 13,17 ।

**प्रश्नपत्र निर्माण-प्रारूप-**

खण्ड क के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल पांच (लघूत्तरीय प्रश्न) समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न प्रष्टव्य रहेंगे ।

अंक 05x6= 30

खण्ड ख के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल चार समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होगें ।

अंक 04x10= 40

## Suggested Books/Readings:

1. Radhakrushana, Gītā.
2. Gītā with Hindi Translation, Gita Press, Goraphpur.
3.गीता,सामर्पणभाष्य,गुरुकुल प्रभात आश्रम, भोला झाल मेरठ
4. शिवदत्त ज्ञानी ,भारतीयसंस्कृति ।
5. पी.बी. काणे, धर्मशास्त्र का इतिहास (खंड -I) ।
7.ऋग्वेददिभाष्यभूमिका महर्षि दयानन्द दसरस्वती ।

5. राजबली पाण्डेय ,हिन्दू संस्कार ।

**B.A. Sanskrit**

**संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम**

**Detail of the Core Course for Sanskrit**

**सत्र- पंचम**

**Semester –5**

| | | |
|---|---|---|
| **आधारभूत पत्र (Core paper) Paper Code BSA-E-512** | **भारतीय परिप्रेक्ष्य में व्यक्तित्व विकास** | **पूर्णाङ्क :100 सत्रान्त परीक्षा : 70 सत्रीय मूल्याँकन : 30 क्रेडिट : 06** |

**प्रस्तावित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)**

**खण्ड- क (Section-A)**ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

**खण्ड- ख(Section-B)**पुरुष की अवधारणा

**खण्ड- ग(Section-C)**व्यक्तित्व के प्रकार

**खण्ड- घ(Section-D)**व्यवहारिक उन्नति का मूल्याङ्कन

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र उस भारतीय दार्शनिक परम्परा से अवगत हो सकेंगे, जो उनके व्यक्तित्व एवं दार्शनिक चिन्तन के विकास की उन्नति में सहायक सिद्ध होगी । यह पाठ्यक्रमछात्रों के वैयक्तिक विकास में तथ्यात्मक एवं प्रयोगात्मक विधि के उन्नयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा ।

**पाठ्यक्रम-अध्ययनपरिणाम(Course Outcomes)-**

- इसक अध्ययन से छात्र व्यकित्व विकास के विविध आयामों से परिचित होकर उन्नत व्यकित्व के धनी होगे।
- पुरूष के वास्तविक स्वरूप को समझकर असदाचरण से निवृत्त होंगे ।
- इससे छात्रों के सभी प्रकार के व्यवहार मे अपेक्षित सुधार होगा ।

**घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)**

**खण्ड – क (Section–A)**

**ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य**

**घटक (Unit)- 1–**ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य : ऋग्वेद - 1.164.37,छान्दोग्यउपनिषद् - 6. 2.3, 6.8.6, 8.1.4 , बृहदारण्यकोपनिषद2.5.18-19

**खण्ड –ख (Section–B)**

**पुरुष की अवधारणा**

**घटक (Unit) – 1**पुरुष की अवधारणा -(गीता -1.1-30 ) जीव मुख्य रूप में और प्रकृति (आठ प्रकार की) आवरण रूप में, क्षेत्रज्ञ मुख्य रूप में क्षेत्र आवरण रूप में- गीता, अध्याय -13.1.2, 5-6,19-23 , अक्षर मुख्य रूप में और क्षर आवरण रूप में गीता 15.7-11,6-19)

**खण्ड–ग (Section–C)**

व्यक्तित्व के प्रकार

घटक (Unit) 3 - व्यक्तित्व के प्रकार - गीता, -14.5-14,17.2-6, 17.11-21

**खण्ड–ग (Section–C)**

**व्यवहार में सुधार के उपाय**

**घटक (Unit) 3 -** व्यवहार में सुधार के उपाय -इन्द्रिय एवं मन पर नियंत्रण (गीता, 2.59-60-64 और 68, 3. 41-43, 6.19-23, श्रद्धा (गीता, 9.3, 22, 23-28,30-34)

स्वधर्म की पहचान - आंतरिक प्रेरणा - (गीता, 2.31,41-44, 3.4, 5,8, 9, 27-30, 33-34, 4. 18-22,5. 11-12, 7.15, 18,20 - 23, 27-29)सामजिक धारा में व्यक्ति के सहज आवेगों का समायोजन । (गीता18. 41-62)

**प्रश्नपत्र निर्माण-प्रारूप-**

खण्ड क के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल पांच समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न प्रष्टव्य रहेंगे ।

अंक 05x6= 30

खण्ड ख के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल चार समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होगें ।

अंक 04x10= 40

**Suggested Books/Readings:**

1. Radhakrishana, The Bhagvadgītā.
2. Gītā with Hindi Translation, Gita Press, Gorakhpur

**B.A. Sanskrit**

**संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम**

**Detail of the Core Course for Sanskrit**

**सत्र- पंचम**

**Semester –5**

| | | |
|---|---|---|
| **आधारभूत पत्र (Core paper)**<br>**Paper Code BSA-E513** | **साहित्यिक समालोचना**<br>**Literary criticism** | **पूर्णाङ्क 100**<br>**सत्रान्त परीक्षा : 70**<br>**सत्रीय मूल्याँकन : 30**<br>**क्रेडिट : 06** |

**खण्ड- क (Section-A)** काव्यप्रकाश - काव्यप्रयोजन, काव्य स्वरूपएवं काव्य हेतु

**खण्ड- ख(Section-B)**काव्यप्रकाश - काव्य भेद

**खण्ड- ग(Section-C)** काव्यप्रकाश - रस एवं अलंकार

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को मम्मट के काव्यप्रकाश के माध्यम से काव्य प्रयोजन, स्वरूप,भेद,रस अंलकार से अवगत करवाना है ।

**पाठ्यक्रम-अध्ययन परिणाम (Course Outcomes)-**

- इसके अध्ययन से छात्रों को काव्यशास्त्रीय ज्ञान की प्राप्ति होगी ।
- इस क्षेत्र में विशेषज्ञता से छात्रों को शिक्षण के अवसर प्राप्त होंगे ।

**घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)**

**खण्ड – क (Section–A)**

**काव्यप्रकाश - काव्यप्रयोजन, काव्य स्वरूपएवं काव्य हेतु**

**घटक (Unit)- 1–** काव्यप्रकाश - काव्यप्रयोजन, काव्य स्वरूप एवं काव्य हेतु ।

खण्ड –ख (Section–B)

**काव्यप्रकाश - काव्य भेद**

**घटक (Unit) – 2** काव्यप्रकाश - काव्य भेद ।

खण्ड–ग (Section–C)

**काव्यप्रकाश - रस एवं अलंकार**

**घटक (Unit) 1 -** काव्यप्रकाश - रस का स्वरूप एवं भेद।

**घटक (Unit) 2** - अलंकार स्वरूप एवं प्रमुख अलंकारों का लक्षण एवं उदाहरण ( अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, अर्थान्तरन्यास, दृष्टान्त)।

**प्रश्नपत्र निर्माण-प्रारूप-**

खण्ड क के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल पांच (लघूत्तरीय प्रश्न) समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न प्रष्टव्य रहेंगे।

अंक 05x6= 30

खण्ड ख के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल चार समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होगें।

अंक 04x10= 40

**Suggested Books/Readings:**

1. Nagendra (Ed.), Kāvyaprakāśa of Mammat, Commentary in hindi by Acharya Vishveshvar, J–ānamaṇdala Varanasi, 2114.
2. Parasnath Dwivedi (ed.), Kāvyaprakāśa of Mammat, Vinod Pustak Mandir, Agra,1986.

## B.A. Sanskrit (Generic)
## संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
## सत्र- पंचम

| | | |
|---|---|---|
| **आधारभूत पत्र (Core paper)**<br>**Paper Code BSA- G 511** | **संस्कृत में राजनैतिक विचार** | **पूर्णाङ्क 100**<br>**सत्रान्त परीक्षा : 70**<br>**सत्रीय मूल्याँकन : 30**<br>**क्रेडिट : 06** |

**खण्ड- क (Section-A)** प्राचीन भारतीय राजनीति की मूल विशेषताएँ एवंविचार
**खण्ड- ख (Section-B)**प्राचीन भारतीय राजनैतिक विचार: उत्पत्ति और विकास
**खण्ड- ग (Section-C)**प्राचीन भारतीय राजनैतिक विचारकों के प्रमुख सिद्धान्त

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

धर्मशास्त्र में भारतीय राजनीति के मूलभूत सिद्धान्त की चर्चा प्राचीन भारत के विज्ञान की शाखा के रूप में की गयी है । इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वैदिक संहिता, महाभारत, पुराण, कौटिल्य अर्थशास्त्र एवं अन्य नीति शास्त्र में वर्णित प्राचीन भारत के राजनैतिक चिन्तन से अवगत कराना है ।

**पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम(Course Outcomes)-**

- इस पत्र के अध्ययन से छात्र प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचारों से अवगत होंगे ।
- संस्कृतगत विशुद्ध राजनीतिक ज्ञान से छात्र राजनीतिक में व्याप्त भ्रष्टाचार को दूर करने में समर्थ होंगे ।

  राजनीतिक ज्ञान से सम्पन्न छात्र राष्ट्र को समुचित नेतृत्व प्रदान कर सकेंगे ।

**घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)**

### खण्ड – क (Section–A)
### प्राचीन भारतीय राजनीति की मूल विशेषताएँ एवं विचार

**घटक (Unit)- 1** – प्राचीन भारतीय राजनीति के विचार व नाम, स्रोत और क्षेत्र नाम : 'दंडनीति" धर्मशास्त्र, नीतिशास्त्र । भारतीय राजनैतिक विचार का दायरा :धर्म, अर्थ और नीति से संबंध; प्राचीन भारतीय राजनैतिक विचार के स्रोत: वैदिक साहित्य,

पुराण, रामायण, महाभारत, धर्मशास्त्र, नीतिशास्त्र, कौटिल्य का अर्थशास्त्र और राजाशासन (शिलालेख)।

**घटक (Unit) –2** - राज्य की प्रकृति, प्रकार और सिद्धान्त: अर्थशास्त्र में राज्य की प्रकृति (6.1) मनुस्मृति में

विशेष संदर्भ के साथ (9.294) सप्तांग - सिद्धान्त; स्वामी, अमात्य, जनपद, पुर, कोष, दण्ड और मित्र।

राज्य के प्रकार: राज्य, स्वराज्य, भोज्य, वैराज्य, महाराज्य, साम्राज्य ( ऐतरेय ब्राह्मण ) 8.3.13-14; 8.4.15-16)।

## खण्ड –ख (Section–B)

## प्राचीन भारतीय राजनैतिक विचार: उत्पत्ति और विकास

**घटक (Unit) –1**- भारतीय राजनैतिक विचार वैदिक काल से बौद्ध काल:, वैदिक काल में लोगों द्वारा राजा का चुनाव एवं प्रदर्शन, (ऋग्वेद, 10.173; 10.174, अथर्ववेद, 3.4.2, 6.87.1-2), वैदिक काल में संसदीय संस्थाएँ: 'सभा, समिति और विदथ (अथर्ववेद - .०७.१२.१; १२.१.६; ऋग्वेद - १०. ८५.२६), वैदिक काल में राजा-निर्माता परिषद: राजकर्ता, और पत्नी (अथर्ववेद-3.5.6-7, शतपथ ब्राह्मण-5.2.5.1), राजा का राज्याभिषेक समारोह शतपथब्राह्मण, 51.1.8-13; 9.4.1.1-5) बौद्ध काल में गणराज्य (दिग्निकाय , महापरिनिर्बाण सुत्त, अंगुत्तरनिकाय १.२१३; ४.२५२,२५६)

**घटक (Unit) – 2** (क) भारतीय राजनैतिक विचार कौटिल्य से महात्मा गांधी: कौटिल्य के अनुसार कल्याणकारी राज्य (अर्थ शास्त्र) 1.13), राजा की आवश्यक योग्यता (अर्थ शास्त्र)6.1.16-18), राजा और राज्य के कर्तव्य 'राजधर्म' (महाभारत, शान्तिपर्व, १२०.१-१५, मनुस्मृति- 7.1-15; शुक्रनीति1.1-15), जैन राजनैतिक चिन्तन के संवैधानिक तत्त्व, (सोमदेव के नीतिवाक्यामृत-9.1.18 और, 19.1.10), वर्तमान समय में गांधीवाद राजनैतिक विचारों की की प्रासंगिकता ( गाँधी गीता, लेखक प्रो० इंद्र 5-१-२५)

## खण्ड–ग (Section–C)

## प्राचीन भारतीय राजनैतिक विचारकों के प्रमुख सिद्धान्त

**घटक (Unit) 1-** विज्ञान के प्रमुख सिद्धान्त , सप्तांग राज्य की थ्योरी: स्वामी, अमात्य, जनपद, पुरा, कोष , दंड और मित्र (अर्थ-शास्त्र-6.1, महाभारत-शान्तिपर्व -56.5, शुक्रनीति, 1.61-62) । मण्डल - 'अंतर-राज्य सम्बन्धों का सिद्धान्त ' षाड्गुण्य सिद्धान्त - युद्ध और शांति की कूटनीति की नीति सन्धि, विग्रह, यान, आसन, संश्रय, द्वैधीभाव । चतुर्विध उपाय - राज्य की शक्ति को संतुलित करने के लिए - साम , दाम , दंड, भेद । तीन प्रकार की राज्य शक्ति 'शक्ति': प्रभु शक्ति,मंत्र शक्ति, उत्साह शक्ति ।

**घटक (Unit) 2** - प्रमुख भारतीय राजनैतिक विचारक - मनु, शुकराचार्य, कौटिल्य , कामन्दक,
सोमदेव सूरी और महात्मा गांधी ।

**प्रश्नपत्र निर्माण-प्रारूप-**

खण्ड ख के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल पांच समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न प्रष्टव्य रहेंगे ।

अंक 05x6= 30

खण्ड ग के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल चार समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होगें ।

अंक 04x10= 40

टिप्पणी खण्ड ख में से दो प्रश्नों तथा ग में से एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत में करना अनिवार्य होगा।

**Suggested Books/Readings:**

1.स्वामी दयानन्द , सत्यार्थ प्रकाश , आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट , दिल्ली ।
2. R.P Kangale (ed.) Arthashastra of Kautilya, Motilal Banarasidas, Delhi, 1965.
3. R.T.H. Griffith (Trans.), Atharvaveda Samhita, 1896-97, rept. (2 Vols) 1968.
4. H.P. Shastri, Mahabharata (7 Vols), London, 1952-59.
5.P. Olivelle (ed. & trans.), Manu's Code of Law: A Critical Edition and Translation of the Manava- Dharamashastra, OUP, New Delhi, 2006.
6. H.P. Shastri (trans), Ramayana of Valmaki (3 Vols), London, 1952-59.
7. H.H. Wilson (trans.), Rgveda samhita (6 Vols), Bangalore Printing & Publishing Co., Bangalore, 1946.
7. Jeet Ram Bhatt (ed.), Satapatha Brahmana (3 Vols), EBL, Delhi, 2009.
8. A.S. Altekar, State and Government in Ancient India, Motilal Banarsidass, Delhi, 2001.

9. S.K. Belvalkar, Mahabharata: Santi Parvam, 1954.
10. D.R. Bhandarkar, Some Aspects of Ancient Indian Hindu Polity, Banaras Hindu University.
11. J.R. Gharpure, Teaching of Dharmashastra, Lucknow University, 1956.
12. U.N. Ghosal, A History of Indian Political Ideas, Bombay, 1959.
13. K.P. Jayaswal, Hindu Polity, Bangalore, 1967.
14. N. S Law, Aspect of Ancient Indian Polity, Calcutta, 1960.
15. S.R. Maheshwari, Local Government in India, Orient Longman, New Delhi,
16. Beni Prasad, Theory of Government in Ancient India, Allahabad, 1968.
17. B.A. Saletore, Ancient Indian Political Thought and Institutions, Bombay, 1963.
18. R. S. Sharma, Aspects of Political Ideas and Institutions in Ancient India, Delhi, 1996.
19. K.N. Sinha, Sovernity in Ancient Indian Polity, London,1938.
20. V.P. Verma, Studies in Hindu Political Thought and its Metaphysical Foundations, Delhi, 1954.
21. उदयवीरशास्त्री (अनुवा.), कौटिलीयीयअर्थशास्त्र, मेहरचंदलक्ष्मनदास, दिल्ली, 1968।
22. रामनारायणदासशास्त्री पाण्डेय (अनु.), महाभारत (1-6 भाग) हिंदीअनुवादसहित, गीताप्रेस गोरखपुर
23.स्वामी दयानंद के अनुसार राजधर्म (सत्यार्थ प्रकाश षष्ठ समुल्लास) भारतीय राजनीत

## B.A. Sanskrit
## संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
## Detail of the Core Course for Sanskrit
### सत्र- पंचम

| आधारभूत पत्र (Core paper) Paper Code BSA-G 512 | संस्कृत संचार माध्यम | पूर्णाङ्क 100<br>सत्रान्त परीक्षा : 70<br>सत्रीय मूल्याँकन : 30<br>क्रेडिट : 06 |
|---|---|---|

**खण्ड – क (Section–A)** टेलीविज़न और रेडियो

**खण्ड –ख (Section–B)** पत्रिका और समाचार पत्र

**खण्ड – ग (Section–C)** इंटरनेट, सामाजिक नेटवर्क, ब्लॉग, महत्वपूर्ण साइट, संस्कृतविकिपीडिया

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक तकनीकि के क्षेत्र में संस्कृत साहित्य की यात्रा से परिचित कराना है। छात्र इसके माध्यम से संस्कृत के संचार क्षेत्र की महत्तपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

**पाठ्यक्रम-अध्ययनपरिणाम(Course Outcomes)-**

- इस के अध्ययन से छात्र संस्कृत अध्य्यन के नये तकनीक तथा संचार माध्यमों से परिचित होंगे।
- आधुनिक संसधानों का प्रयोग करके संस्कृत मे व्यापक एवं त्वरित प्रचार में सहयोगी बनेंगे।

**घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)**

### खण्ड – क (Section–A)
### टेलीविज़न और रेडियो

**घटक (Unit)- 1 –** समाचार अनुवाद, संपादन, एंकरिंग,

**घटक (Unit) 2–** ग्राफिक्स, पार्श्व स्वर, पैरा डबिंग, बैंड, पैकेजिंग।

### खण्ड –ख (Section–B)
### पत्रिका और समाचार पत्र

**घटक (Unit) –1**संस्कृत पत्रिकाओं की यात्रा, विभिन्न संस्कृतपत्रिका, संस्कृत

पत्रिकाओं के प्रकार।

**घटक (Unit) – 2** लेख संग्रह, संपादन, रिपोर्टिंग, पैकेजिंग

**खण्ड–ग (Section–C)**

**इंटरनेट, सामाजिक नेटवर्क, ब्लॉग, महत्वपूर्ण साइट, संस्कृतविकिपीडिया**

**घटक (Unit) 1**– इंटरनेट, ब्लॉग, महत्वपूर्ण साइट, संस्कृतविकिपीडिया (केवल सामान्य जागरूकता)

।

**प्रश्नपत्र निर्माण-प्रारूप-**

खण्ड क के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल पांच (लघूत्तरीय प्रश्न) समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न प्रष्टव्य रहेंगे । अंक 05x6= 30

खण्ड ख के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल चार समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होगें । अंक 04x10= 40

**Suggested Readings/Books:**

**Note:** Teachers are also free to suggest any relevant books/articles/e-resource if needed.

**B.A. Sanskrit**

**संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम**

**Detail of the Core Course for Sanskrit**

**सत्र- पंचम**

| | | |
|---|---|---|
| **आधारभूत पत्र (Core paper) Paper Code BSA-G 513** | **संस्कृत छन्द एवं संगीत** | **पूर्णाङ्क 100**<br>**सत्रान्त परीक्षा : 70**<br>**सत्रीय मूल्याँकन : 30**<br>**क्रेडिट : 06** |

**खण्ड – क (Section–A)** छन्दशास्त्र का संक्षिप्त परिचय

**खण्ड –ख (Section–B)** संस्कृत छंद के तत्त्व और वर्गीकरण

**खण्ड– ग (Section–C)** चयनित वैदिक छन्द और उनके गीतात्मक पद्धतियों का विश्लेषण

**खण्ड–ग (Section–D)** चयनित लौकिक छन्द और उनके गीतात्मक पद्धतियों का विश्लेषण

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संस्कृत के पारम्परिक शास्त्रीय संगीत का परिचय कराना है। इसके माध्यम से छात्र संगीत में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न छन्द, स्वर, ताल एवं लय आदि के तत्त्वों से अवगत हो सकेंगे।

**पाठ्यक्रम-अध्ययनपरिणाम(Course-Outcomes) -**

- इस पत्र के माध्यम से छात्रों को संस्कृत के छन्द ,स्वर,गायन पद्धति आदि की जानकारी होगी।
- संगीत ज्ञान छात्रों के जीवन को समृद्ध सरस एवं माधुर्यपूर्ण बनायेगा।

**घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)**

**खण्ड – क (Section–A)**

**छन्दशास्त्र का संक्षिप्त परिचय**

**घटक (Unit)- 1** – छन्दशास्त्र का संक्षिप्त परिचय

**खण्ड –ख (Section–B)**

**संस्कृत छन्द के तत्त्व और वर्गीकरण**

**घटक (Unit) –1**-वर्णिकछन्द (अक्षरवृत्त) , मात्रिक (जाति)
**घटक (Unit) – 2** लघु एवं गुरु वर्ण,गण, पाद, यति का सामान्य परिचय।

**खण्ड–ग (Section–C)**

चयनित वैदिक छन्द और उनके गीतात्मक पद्धतियों का विश्लेषण

**घटक (Unit) 1–** गायत्री, उष्णिक्, अनुष्टुप्, बृहती, पंक्ति, त्रिष्टुप्,जगती

**खण्ड–ग (Section–D)**

**चयनित लौकिक छन्द और उनके गीतात्मक पद्धतियों का विश्लेषण**

**घटक (Unit) 1–** निम्नलिखित छन्दों की परिभाषा, उदाहरण, विश्लेषण और गीतात्मक पद्धति - भुजंगप्रयात, स्रग्विणी, त्रोटक, हरिगीतिका, विद्युन्माला, अनुष्टुप्, आर्या, मालिनी, शिखरिणी, वसन्ततिलका, मन्दाक्रान्ता, स्रग्धरा और शार्दूलविक्रीडितम् ।

**प्रश्नपत्र निर्माण-प्रारूप -**

खण्ड क के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल पांच (लघूत्तरीय प्रश्न) समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न प्रष्टव्य रहेंगे ।

अंक 05x6= 30

खण्ड ख के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल चार समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होगें ।

अंक 04x10= 40

**Suggested Books/Readings:**

1.पिंगलमुनि , छन्दशास्त्र ।

1. Brown, Charles Philip (1869). Sanskrit Prosody and Numerical Symbols Explained. London : Trübner & Co.

2. Deo, Ashwini. S (2007). The Metrical Organization of Classical Sanskrit Verse, (PDF). Journal of Linguistics 43 (01): 63–114. doi:10.1017/s0022226706004452.

3. Recordings of recitation: H. V. Nagaraja Rao (ORI, Mysore), Ashwini Deo, Ram Karan Sharma, Arvind Kolhatkar.

4. Online Tools for Sanskrit Meter developed by Computational Linguistics Group, Department of Sanskrit, University of Delhi: http://sanskrit.du.ac.in

5.धरानन्द शास्त्री(संपा.), केदारभट्ट विरचित वृत्तरत्नाकर, मोतीलालबनारसीदास, दिल्ली, 2004 ।

## B.A. Sanskrit
## संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
## Detail of the Core Course for Sanskrit
### सत्र- षष्ठ

| आधारभूत पत्र (Core paper) Paper Code BSA-S611 | भारतीय रंगमंच | पूर्णाङ्क 100<br>सत्रान्त परीक्षा : 70<br>सत्रीय मूल्याँकन : 30<br>क्रेडिट : 06 |
|---|---|---|

**खण्ड – क** (Section–A) भारतीय रंगमंच की परम्परा और इतिहास

**खण्ड –ख** (Section–B) रंगमंच: प्रकार और निर्माण

**खण्ड – ग** (Section–C) अभिनय भेद : आंगिक, वाचिक, सात्विक तथा आहार्य

**खण्ड – घ** (Section–D) नाटक में वस्तु, नेता और रस

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य –**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को पारम्परिक भारतीय रंगमञ्च,एवं नाट्यशास्त्र के सिद्धान्तों का परिचय कराना है।

**पाठ्यक्रम –अध्ययनपरिणाम(Course Outcomes)-**

- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्रों को नाट्यशास्त्रों के विभिन्न तथ्यों की जानकरी होगी।
- छात्रों की अभिनय क्षेत्र में रुचि बढेंगी तथा इसे अपने कार्य क्षेत्र के रूप में अपना सकेंगे।

**घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)**

**खण्ड – क (Section–A)**

**भारतीय रंगमंच की परम्परा और इतिहास**

**घटक (Unit) –1** विभिन्न युगों में मञ्च की उत्पत्ति और विकास; पूर्व-ऐतिहासिक और वैदिक युग।

**घटक (Unit) –2** महाकाव्य-पौराणिक युग, राज दरबार रंगमंच ( court theatre), मन्दिर रंगमंच,

खुला रंगमंच, आधुनिक रंगमंच, लोक रंगमंच, वाणिज्यिक रंगमंच, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय रंगमंच।

## खण्ड –ख (Section–B)

## रंगमंच: प्रकार और निर्माण

**घटक (Unit) –1** (क) रंगमंच: प्रकार और निर्माण

## खण्ड–ग (Section–C)

## अभिनय भेद : आंगिक , वाचिक, सात्विक और आहार्य

**घटक (Unit)1–** आंगिक एवं वाचिक अभिनय का स्वरूप तथा नाट्य में उपयोगिता

**घटक (Unit)2** - सात्विक तथा आहार्य अभिनय का स्वरूप तथा नाट्य में उपयोगिता

## खण्ड–घ (Section–D)

नाटक में वस्तु, नेता और रस

**घटक (Unit)1–** नाट्य में वस्तु और नेता ( नायक एवं नायिका भेद ) सम्बन्धी ज्ञान

**घटक (Unit)2** -नाट्य में रस-विवेचन

**Suggested Books/Readings:**

1. राधावल्लभत्रिपाठी (सम्पा. एवंसंक.), संक्षिप्त नाट्यशास्त्र, हिन्दीभाषानुवादसहित, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2008

2. राधावल्लभत्रिपाठी, भारतीयनाट्य : स्वरूप एवंपरम्परा, संस्कृत परिषद्, सागरमध्य प्रदेश 1988।

3. हजारीप्रसाद द्विवेदी (सं.), नाट्य शास्त्र कीभारतीयपरम्परा एवं दशरूपक,राजकमलप्रकाशन, दिल्ली 1963।

4. सीतारामझा, नाटकऔररंगमंच, बिहारराष्ट्रभाषापरिषद्पटना 1982।

5. बाबूलालशुक्ल शास्त्री (संपा.), नाट्यशास्त्र (1-4 भाग), चौखम्भा संस्कृत संसथान ,वाराणसी,1984

6. राधावल्लभत्रिपाठी, नाट्यशास्त्रविश्वकोश (1-4 भाग), प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली 1999।

7. राधावल्लभत्रिपाठी,भारतीयनाट्यशास्त्र की परंपरा और विश्व रंगमंच, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली।

8. केशवरामुसलगांवकर, संस्कृत नाट्यमीमांसा, परिमलप्रकाशन,दिल्ली।

9. रामलखनशुक्ल, संस्कृत नाट्य कला ,मोतीलालबनारसीदास, नईदिल्ली, 1970

10. गोविन्द चन्द्र राय ,नाट्यशास्त्र में रंगमंच के रूप , काशी, 1958।

11. भानुशंकरमेहता, भारत नाट्यशास्त्र तथा आधुनिक प्रासंगिकता, वाराणसी।

12. लक्ष्मीनारायणलाल, रंगमंचऔरनाटककीभूमिका, दिल्ली, 1965।

13. लक्ष्मी नारायण गर्ग, भारतकेलोकनाट्य, हाथरससंगीतकार्यालय, 1961।

14. सीतारामचतुर्वेदी, भारतीयतथापाश्चात्यरंगमंच, हिंदी समिति, लखनऊ 1964।

15. जगदीश चन्द्र माथुर ,परंपराशील नाट्य, बिहार राजभाषा परिषद्, पटना, 1961।

16. C.B. Gupta, Indian Theatre, Varanasi, 1954.
17. R.K. Yajnick, Indian Theatre, London, 1933.
18. Tarla Mehta, Sanskrit Play Production in Ancient India, MLBD, Delhi, 1999.
19. Allardyce Nicoll, The Theatre and Dramatic Theory, London, 19

## B.A. Sanskrit
## संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
## Detail of the Core Course for Sanskrit
## सत्र- षष्ठ

| | | |
|---|---|---|
| **आधारभूत पत्र (Core paper) Paper Code BSA-E-611** | **संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवाद** | **पूर्णाङ्क 100**<br>**सत्रान्त परीक्षा : 70**<br>**सत्रीय मूल्याँकन : 30**<br>**क्रेडिट : 06** |

**खण्ड- क (Section-A)** भारतीय राष्ट्रवाद की अवधारणाएँ और मूल विशेषताएँ
**खण्ड- ख(Section-B)**देश का नाम, राष्ट्रीय चिह्न और राष्ट्रवाद का उदय
**खण्ड- ग(Section-C**) राष्ट्रवादी विचार और आधुनिक संस्कृत साहित्य

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संस्कृत साहित्य मेंवर्णित भारतीय राष्ट्रवादकी अवधारणा एवं उत्पत्तिविषयक तत्वों से परिचय कराना है । इस पाठ्यक्रम में उन्नीसवीं शताब्दी में उपनिवेशवाद के विरुद्ध भारतीयों के संघर्ष को प्रस्तुत करता है, जो आधुनिक समय के प्रमुख राष्ट्रीय नेताओं की राष्ट्रवादी विचारधाराओं पर केन्द्रित है । यहपाठ्यक्रम आधुनिक संस्कृत साहित्य में वर्णित गान्धीवादी विचार की प्रासंगिकता को अवगत करायेगा ।

**पाठ्यक्रम –अध्ययनपरिणाम(Course Outcomes)-**

- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र प्राचीन राष्ट्रीय विचारधारा को जान सकें ।
- छात्रों का राष्ट्र के प्रति समर्पण एवं राष्ट्रीय दायित्व की भावना मे वृद्धि होगी ।

**घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)**

### खण्ड – क (Section–A)
### भारतीय राष्ट्रवाद की अवधारणाएँ और मूल विशेषताएँ

**घटक (Unit)- 1 –** राष्ट्र का अर्थ एवं परिभाषा तथा भारतीय राष्ट्र के आवश्यक तत्त्व -
(क) पश्चिमी परिप्रेक्ष्य में राष्ट्र का अर्थ एवं परिभाषा तथाराष्ट्र के संवैधानिक तत्त्व ।
(ख)भारतीयराष्ट्र की अवधारणा - अर्थ, व्युत्पत्ति और परिभाषाएँ, संस्कृत साहित्यमेंराष्ट्र के आवश्यक तत्त्व, (अथर्ववेद - ११.९.१७,१२.१,१-१२; शुक्लयजुर्वेद-22.22,10-2-4) । राज्य कासप्तांग सिद्धान्त (कौटिल्य का अर्थशास्त्र ६.१,महाभारत,शान्तिपर्व-५६.4-

8,शुक्रनीति -1.61- 62)।

**घटक (Unit) – 2** - भारतीय राष्ट्रीयता का अर्थ, परिभाषाएँ और तत्त्व- राष्ट्रीयता के आवश्यक तत्त्व: राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति,स्वतन्त्रता, धार्मिक सहिष्णुता, राष्ट्रीय गौरव, राष्ट्रीय चेतना और नागरिकता ।भारतीय राष्ट्रवाद की प्रमुख विशेषताएं - सामाजिक सामंजस्य, धार्मिक समानता, विश्वबन्धुत्व, अनेकता में एकता और सांस्कृतिक चेतना । अथर्ववेद - १२.१,(पृथिवी सूक्त) राष्ट्रीयता के संवैधानिक तत्त्व

## खण्ड –ख (Section–B)

## देश का नाम, राष्ट्रीय चिह्न और राष्ट्रवाद का उदय

**घटक (Unit) – 1** देश का नाम 'भारतवर्ष' और राष्ट्रीय चिह्न - 'भारतवर्ष' के नाम के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न विचार (वैदिक और पौराणिक साहित्य के अनुसार), भारत के राष्ट्रीय चिह्न, राष्ट्रगान-(जन गण मन),राष्ट्रीय गीत (वंदे मातरम ), राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय प्रतीक 'अशोक चक्र', भारतीय कलान्तर (कैलेंडर)-शक - संवत ।

**घटक (Unit) – 2** - भारतीय राष्ट्रवाद का उदय और स्वतंत्रता आन्दोलन : आधुनिक काल में राष्ट्रवादी विचारों के प्रमुख कारक पश्चिमी विचारक और शिक्षा के विशेष संदर्भ में, भारत के अतीत की पुनः खोज, विश्व में सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन और समकालीन राष्ट्रीय आंदोलनों के प्रभाव।

सामाजिक-धार्मिक राष्ट्रवादी चिंतकों का संक्षिप्त सर्वेक्षण - राजाराममोहन राय,स्वामी दयानंदसरस्वती, स्वामी विवेकानंद, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय, महात्मा गांधी, मदन मोहन मालवीय, वीर सावरकर और डॉ० बी.आर अम्बेडकर के विशेष संदर्भ में ।

## खण्ड–ग (Section–C)

## राष्ट्रवादी विचार और आधुनिक संस्कृत साहित्य

**घटक (Unit) 1 -** स्वतन्त्रता आंदोलनमें संस्कृत साहित्य का योगदान -

स्वतंत्रता से पूर्व आधुनिक संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवादी प्रवृत्तियों का सर्वेक्षण, स्वतंत्रता केउपरान्त आधुनिक संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवादी प्रवृत्तियों का सर्वेक्षण ।

**घटक (Unit) – 2** - आधुनिक राष्ट्रवादी विचार और गांधीवादी संस्कृत साहित्य : गांधीवादी विचारों
की सामाजिक, राजनैतिक और धार्मिक पृष्ठभूमि - 'ग्राम स्वराज' 'सत्याग्रह',अहिंसा , प्रजातन्त्र, और
धार्मिक सहिष्णुता के विशेष सन्दर्भ के साथ । समसामयिक संस्कृत साहित्य पर गांधीवादी विचार यथा -
पंडित क्षमाराव की सत्याग्रहगीता। डॉ. राधेश्याम गंगवारकृत श्रद्धानन्दचरितम् का 22 वें सर्ग के 10,16,17,33,34,35

**प्रश्नपत्र निर्माण-प्रारूप-**

खण्ड क के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल पांच (लघूत्तरीय प्रश्न) समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न प्रष्टव्य रहेंगे ।

अंक 05x6= 30

खण्ड ख के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल चार समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होगें ।

अंक 04x10= 40

**Suggested Books/Readings :**

मेधाव्रत आचार्य विरचित दयानंद लहरी । ( द्वितीय सर्ग )
1. R.P. Kangale (ed.), Arthashastra of Kautilya, Motilal Banarasidas, Delhi, 1965.
2. R.T.H. Griffith (Trans.), Atharvaveda Samhita (2 Vols), Banaras, 1968.
3. H.P. Shastri (English Trans.), Mahabharata (7 Vols), London, 1952-59.
4. H.P. Shastri (Eng. Tr.), Ramayana of Valmaki (3 Vols), London, 1952-59.
5. H.H. Wilson (Eng. Tr.), Visnu purana, Punthi Pustak, Calcutta, 1961.
6. उदयवीरशास्त्री (अनु.), कौटिलीय अर्ताशास्त्र, मेहरचंद लक्ष्मनदास, दिल्ली, 1968 ।

7. रामनारायणदत्त सहस्त्री पाण्डेय (अनु.), महाभारत (1-6 भाग)हिंदी अनुवादसहित,गीताप्रेस, गोरखपुर।
8. सातवलेकर, यजुर्वेद हिंदीअनुवादसहित , श्रीपाददामोदर, पारडी।
9. मुनिलालगुप्त (अनु.), विष्णुपुराणहिंदीअनुवाद सहित, गीताप्रेस,गोरखपुर।
10. शतपथब्राह्मण (1-5 भाग) माध्यंदीनीयशाखा, सायणाचार्यएवंहरीस्वामीटीकासिहत, दिल्ली।
11. शिवशंकर मिश्र,शुक्रनीति हिंदी अनुवाद, चौखम्भा संस्कृतसीरीज, वाराणसी, 1968।
12. पिपंडिता क्षमाराव,सत्याग्रहगीतापेरिस, 1932।
13. जानकीनाथ शर्मा (संपाश्रीमद्वाल्मीकिरामायणम् (1-2 भाग) हिंदीअनुवादसहित, गीताप्रेस गोरखपुर।
14. अनूप चंद कपूर ,राजनीती विज्ञान के सिद्धान्त, प्रीमियर पब्लिशिंगहाउस, दिल्ली, 1967।
15. योगेंदरा स्वामी (संपा.), राष्ट्रीय एकता और भारतीय साहित्य, काशीअधिवेशन स्मृति ग्रन्थ,2001 दिल्ली, 1991।
16. शशि तिवारी,संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवाद एवं भारतीय राजशास्त्र, विद्यानिधि प्रकाशन दिल्ली, 2007।
17. शशि तिवारी, राष्ट्रीयता एवं भारतीय साहित्य, विद्यानिधि प्रकाशन दिल्ली, 2113।
18. हरिनारायण दीक्षित, दिल्ली, 2006।
19. इकबालनारायण,आधुनिक राजनैतिक विचारधाराएं , ग्रन्थ विकास, जयपुर, 2001।
20. पुष्पेन्द्रकुमार (संपा.), पुराणों में राष्ट्रीयएकता, नागप्रकाशनदिल्ली।
21. अजयकुमारमिश्र, मथुरामथुराप्रसाद दीक्षितकेनाटक, प्रकाशनविभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली, 2002।
22. बाबूगुलाबराय,राष्ट्रीयता, किताबघरदिल्ली, 1996। दिल्ली, 1953।
23. S.K. Belvalkar, Mahabharata: Santi Parvam, 1954.
24. B. Chakrabarty, and R. Pandey, Modern Indian Political Thought, Sage Publications,

New Delhi, 2110.
25. P. Chatterjee, The Nation and its Fragments: Colonial and Postcolonial Histories,
New Delhi, Oxford University Press, 1993.
26. M.K. Gandhi, The Collected Works of Mahatma Gandhi, Ahmedabad, Navajivan,
1958.
27. M. N. Jha, Modern Indian Political Thought, Meenakshi Parkashan,
Meerut.
28. R. Pradhan, Raj to Swaraj, Macmillan, New Delhi, 2008.
29. Hiralal Shukla, Modern Sanskrit Literature, Delhi, 2002.

**B.A. Sanskrit**

**संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम**

**सत्र- षष्ठ**

**Semester –6**

| | | |
|---|---|---|
| **आधारभूत पत्र (Core paper)** **Paper Code BSA-E-612** | **संस्कृत में गणितीय परंपरा** | **पूर्णाङ्क 100** **सत्रान्त परीक्षा : 70** **सत्रीय मूल्याँकन : 30** **क्रेडिट : 06** |

**खण्ड- क (Section-A)** भारतीय गणित

**खण्ड- ख(Section-B)**संस्कृत में गणित का संक्षिप्त इतिहास

**खण्ड- ग(Section-C)**प्राचीन भारतीय गणितज्ञ

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य -**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को भारतीय सुसमृद्ध गणतीय परम्परा से अवगत कराना है ।

**पाठ्यक्रम –अध्ययनपरिणाम(Course Outcomes)-**

- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र भारत की सुविकसित गणतीयपरम्परा को जान सकेंगे तथा अपने राष्ट के गणतीय ज्ञान गर्वानुभूति कर सकेंगे ।
- गणना की प्राचीन तकनीकी को जानकर करके सरल एवं शीघ्रतया गणतीय कार्य कर सकेंगे ।

**घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)**

**खण्ड – क (Section–A)**

**भारतीय गणित**

**घटक (Unit)- 1–** लगध ज्योतिष (यजुष-ज्योतिषश्लोक ४ एवं ४२) गणित विज्ञान का महत्व और तीन का नियम। ।

**घटक (Unit) – 2-** भास्कराचार्य का लीलावती,श्लोक 1-20 ।

**घटक (Unit) – 3 -** वैदिक गणित - प्रथम ५ सूत्र।

**घटक (Unit) – 3-** गणित में तकनीकी शब्द: बीजगणित , कलन (Calculus)

**घटक (Unit) – 4-** संख्याएँ, अंक ,शून्य ,अनंत (Infinity), दशमलव ,वर्ग और वर्गमूल घन एवं घनमूल ।

**घटक (Unit) – 5-** घन एवं घनमूल आर्यभट्ट का आर्यभट्टीयम् , गीतिकापाद (संपूर्ण), एवं गणितपाद - श्लोक 1-5 ।

## खण्ड –ख (Section–B)

## संस्कृत में गणित का संक्षिप्त इतिहास

**घटक (Unit) – 1**वैदिक काल, मध्ययुगीन वैदिक काल, उत्तर वैदिक काल। ।

**घटक (Unit) – 2 -** शास्त्रीय काल, उत्तर शास्त्रीय काल ।

## खण्ड–ग (Section–C)

## प्राचीन भारतीय गणितज्ञ

**घटक (Unit) 1 -** वररुचि, आर्यभट्ट-प्रथम, वराहमिहिर, ब्रह्मगुप्त, श्रीधर, आर्यभट्ट-द्वित्तीय, श्रीपति, भास्कराचार्य,गणेशदेवज्ञ, कमलाकर, जयसिंह और सुधाकर द्विवेदी ।

**प्रश्नपत्र निर्माण-प्रारूप-**

खण्ड क के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल पांच (लघूत्तरीय प्रश्न) समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न प्रष्टव्य रहेंगे । अंक 05x6= 30

खण्ड ख के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल चार समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होगें । अंक 04x10= 40

**Suggested Books/Readings:**


1. Krishnaji Shankara Patwardhan, S. A. Naimpally and Shyam Lal Singh, Līlāvatī ofBhāskarācārya: A Treatise of Mathematics of Vedic Tradition, Motilal BanarsidassPubl., 2001
2. Shankar Keshav Abhyankar (Trans), Bhāskarāchārya's Bījagaṇita and Its EnglishTranslation, Bhāskarāchārya Pratishthana, 1980.
3. Frank J. Swetz and Victor J. Katz, "Mathematical Treasures - Lilavati of Bhaskara,"Loci, 2101.
4. K. V. Sarma, Līlāvatī of Bhāskarācārya with Kriyā-kramakarī, Hoshiarpur: VVBIS &IS, Panjab University
5. भास्कराचार्य विरचित लीलावती, चौखम्भा कृष्णदासअकादमी, 2001 ।
6. सुरकान्तझा, आर्यभट्टीयम्आर्यभटविरचितम्, चौखम्भा।
7. Studies in the History of Science in India (Anthology edited by DebiprasadChattopadhyaya)
8. A P Juskevic, S S Demidov, F A Medvedev and E I Slavutin: Studies in the history ofmathematics, "Nauka" (Moscow, 1974), 220-222; 302.

**B.A. Sanskrit**

**संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम**

**Detail of the Core Course for Sanskrit**

**सत्र- पंचम**

| आधारभूत पत्र (Core paper) Paper Code BSA- G 611 | संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवादी विचार | पूर्णाङ्क 100 सत्रान्त परीक्षा : 70 सत्रीय मूल्याँकन : 30 क्रेडिट : 06 |
|---|---|---|

**खण्ड – क (Section–A)**राष्ट्र की अवधारणाएँ एवं परिभाषाएँ और भारतीय राष्ट्रवाद

**खण्ड –ख (Section–B)वैदिक और शास्त्रीय साहित्य में राष्ट्रवादी विचार**

**खण्ड–ग (Section–C)**आधुनिक संस्कृत कविता में राष्ट्रवादी विचार

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -**

प्राचीन भारत में राष्ट्रवाद की मौलिक अवधारणा का विकास 'राष्ट्र' शब्द के अन्तर्गत हुआ था ।इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संस्कृत साहित्य में वर्णित भारतीय राष्ट्रवाद की अवधारणा एवं उत्पत्ति विषयक तत्वों से परिचय कराना है ।

**पाठ्यक्रम –अध्ययनपरिणाम(Course Outcomes)-**

- इस के अध्ययन से छात्र संस्कृतसाहित्य के उदात्त राष्ट्रवाद के सिद्धान्तों को जानकर क्षेष्ठ राष्ट्रनिर्माण में प्रवृत्त होगें ।
- राजनीतिक विविध सिद्धान्तों को जानकर राष्ट्र को उत्तम नेतृत्व प्रदान कर सकेंगे ।

**घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)**

**खण्ड – क (Section–A)**

**राष्ट्र की अवधारणाएँ एवं परिभाषाएँ और भारतीय राष्ट्रवाद**

**घटक (Unit)- 1 –** राष्ट्र की परिभाषाएँ भारतीय परिप्रेक्ष्य में राष्ट्र और राष्ट्रीयता की अर्थ और परिभाषा -

आधुनिक संदर्भ में, संस्कृत कोशकारों के अनुसार राष्ट्र कीव्युत्पत्ति और अर्थ,विशेष संदर्भ के साथ राष्ट्र की अवधारणा, संस्कृत साहित्य में राष्ट्र , राष्ट्र कीराजनैतिक अवधारणा , सप्तांग कौटिल्य का सिद्धान्त राज्य: - अर्थ-शास्त्र, ६.१, महाभारत,

शान्तिपर्व, ५६.५, शुक्रनीति, 1.61-62।

**घटक (Unit)- 2 -**राष्ट्रवाद के कारक, देश का नाम और राष्ट्रीय चिन्ह :- राष्ट्रीयता के आवश्यक कारक: राष्ट्रीयएकता, देशभक्ति, स्वतंत्रता, धार्मिकता, सहिष्णुता, राष्ट्रीय गौरव, राष्ट्रीय चेतना और नागरिकता । भारतीय राष्ट्रवाद के लक्षण: सामाजिक सद्भाव, धर्मों की समानता, अंतर्राष्ट्रीयभ्रातृत्व भाव, अनेकता में एकता और सांस्कृतिक चेतना । पुराण में 'भारतवर्ष' के विषय में विविध विचार । राष्ट्रीयभारत के प्रतीक: राष्ट्रीय गान-जन गण मन.....,राष्ट्रीय गीत' वंदे मातरम ' भारत का राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय प्रतीक 'अशोक चक्र' ।

## खण्ड –ख (Section–B)

## वैदिक और शास्त्रीय साहित्य में राष्ट्रवादी विचार

**घटक (Unit) –1** वैदिक और सांस्कृतिक साहित्य में राष्ट्र 'की उत्पत्ति और विकास:- वैदिक लोगों

की राष्ट्रीय पहचान 'भरत' और 'भरतजन ' ऋग्वेद के अनुसार (3 .53.12 3; 3.53.24; 7.33.6), भूमि सूक्त

के अनुसार राष्ट्र की अवधारणा अथर्ववेद - (12.1,1-12) राष्ट्र 'के तत्त्व शुक्ल यजुर्वेद (22.22)

राष्ट्रभृत होम का राष्ट्रवादी महत्त्व, राज्याभिषेक समारोह शतपथब्राह्मण (9.4.1.1-5)

**घटक (Unit) – 2** सांस्कृतिक साहित्य में राष्ट्र की राष्ट्रवादी पहचान- भारतवर्ष की भौगोलिक एवंसामाजिक पहचान विष्णुपुराण (2.3), वाल्मीकि रामायण में 'राष्ट्र ' की भौगोलिक एकता किष्किन्धा काण्ड (46,47,48), कालिदास के रघुवंशम् में सांस्कृतिक एकता (रघुवंशम् चतुर्थ अध्याय), राष्ट्र का जनसांख्यिकी एकीकरण (महाभारत, शांतिपर्व 65.13-22).

## खण्ड–ग (Section–C)

## आधुनिक संस्कृत काव्य में राष्ट्रवादी विचार

**घटक (Unit) 1–**स्वतन्त्रता से पूर्व आधुनिक संस्कृत काव्य का राष्ट्रवादी रुझान - आधुनिक संस्कृत में राष्ट्रवादी प्रवृत्तियों का सर्वेक्षण आजादी से पहले की काव्य के विशेष संदर्भ के साथ मथुरा प्रसाद दीक्षित का 'भारतविजयान्तकम्', पंडित क्षमाराव की 'सत्याग्रहगीता' चारुदेव शास्त्री की गांधीचरितम्

और अंबिकादत्त व्यास की 'शिवराजविजय'।

घटक (Unit)- 2 - स्वातन्त्र्योत्तर आधुनिक संस्कृत काव्य का राष्ट्रवादी रुझान - आधुनिक संस्कृत में राष्ट्रवादी प्रवृत्तियों का सर्वेक्षण आजादी के बाद की विशेष संदर्भ वाली कविता डॉ.सत्यव्रत शास्त्री, डॉ. हरिनारायण दीक्षित, डॉ० राधा वल्लभ त्रिपाठी, डॉ० अभिराज राजेंद्र मिश्र और डॉ० हरि दत्त शर्मा।

**प्रश्नपत्र निर्माण-प्रारूप-**

खण्ड क के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल पांच (लघूत्तरीय प्रश्न) समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न प्रष्टव्य रहेंगे।

अंक 05x6= 30

खण्ड ख के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल चार समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होगें।

अंक 04x10= 40

**Suggested Books/Readings:**

1. R.P Kangale (ed.) Arthashastra of Kautilya, Motilal Banarasidas, Delhi, 1965.
2. R.T.H. Griffith (Trans.), Atharvaveda Samhita, 1896-97, rept. (2 Vols) 1968.
3. H.P. Shastri, Mahabharata (7 Vols), London, 1952-59.
4. H.P. Shastri (trans), Ramayana of Valmiki (3 Vols), London, 1952-59.
5. Jeet Ram Bhatt (ed.), Satapatha Brahmana (3 Vols), EBL, Delhi, 2009.
6. H.H. Wilson (trans.), _gveda samhita (6 Vols), Bangalore Printing & Publishing Co.,Bangalore, 1946.
7. B. Chakrabarty and R. Pandey, Modern Indian Political Thought, Sage Publications,New Delhi, 2110.
8. P. Chatterjee, The Nation and its Fragments: Colonial and Postcolonial Histories,Oxford University Press, New Delhi, 1993.
9. M.K. Gandhi, The Collected Works of Mahatma Gandhi, Navajivan, Ahmedabad,1958.
10. M.N Jha, Modern Indian Political Thought, Meenakshi Parkashan, Meerut.
11. R. Pradhan, Raj to Swaraj, Macmillan, New Delhi, 2008.
12. Hiralal Shukla, Modern Sanskrit Literature, Delhi, 2002.

21. उदयवीरशास्त्री (अनुवा.), कौटिलीयीयअर्थशास्त्र, मेहरचंदलक्ष्मनदास, दिल्ली, 1968।

22. रामनारायणदासशास्त्री पाण्डेय (अनु.), महाभारत (1-6 भाग) हिंदीअनुवादसहित, गीताप्रेस गोरखपुर

23. पंडित क्षमाराव, सत्याग्रह गीता ,पेरिस 1932।

## B.A. Sanskrit
## संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
## Detail of the Core Course for Sanskrit
**सत्र- षष्ठ**

| | | |
|---|---|---|
| **आधारभूत पत्र (Core paper)** | | **पूर्णाङ्क 100** |
| **Paper Code BSA- G 612** | **संस्कृत साहित्य में नैतिक एवं सदाचार के तत्त्व** | **सत्रान्त परीक्षा : 70** |
| | | **सत्रीय मूल्याँकन : 30** |
| | | **क्रेडिट : 06** |

**खण्ड – क (Section–A)** महाभारत में सदाचार सम्बंधी विषय
**खण्ड –ख (Section–B)** रामायण में सदाचार सम्बंधी विषय
**खण्ड–ग (Section–C)** व्यक्तिगत सदाचार के विभिन्न विषय
**खण्ड–ग (Section–D)** स्वतंत्रता के विभिन्न विषय

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य -** इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संस्कृत साहित्य में वर्णित नैतिक मूल्यों से परिचित कराना है । सदाचार के महत्वों को ह्रदयांगम कराकर छात्रों के जीवन को क्षेष्ठ बनाना है ।

**पाठ्यक्रम –अध्ययनपरिणाम(Course Outcomes)-**

- इस के अध्ययन से छात्र सदाचार के स्वरूप एवं महत्व को समझकर उसका अनुसरण करेंगे ।
- इससे समाज में व्याप्त अनाचार ,भ्रष्टाचार दूर होंगे ।

**घटकानुरूप विभाजन (Unit-Wise Division)**

### खण्ड – क (Section–A)
### महाभारत में सदाचार सम्बंधी विषय

**घटक (Unit)- 1–** अर्ध सत्य और झूठे आडंबर - युधिष्ठिर द्वाराअश्वत्थामा की मृत्यु की घोषणा ।

**घटक (Unit)- 2 -**अनिष्ट से बचना यथा - दुष्यन्त का शकुंतला को अस्वीकृत करना, अभिज्ञान शाकुंतलम् -अंक 5, युद्ध की आलोचना - महाभारत (स्त्रीपर्व)अध्याय 13-15) ।

**घटक (Unit)- 3 -** युद्ध - जैसा होना चाहिए और जैसा है - (मनुस्मृति) अध्याय 7,199-200, 87-93 और कृष्ण का युद्ध में छल बल ।

**घटक (Unit)- 4 -**प्रतिशोध की भावना - अश्वत्थामा का पांडवों की संतान से बदला एवं

द्रौपदी से दुर्योधन का बदला ।

**खण्ड –ख (Section–B)**

**रामायण में सदाचार सम्बंधी विषय**

**घटक (Unit) –1**कर्तव्य का संघर्ष - राम का राजा बनाम पति ।

**घटक (Unit) – 2** आज्ञाकारिता और वफादारी - लक्ष्मण की दशरथ को चुनौती , राम के प्रति समर्पण , बाल्मीकि रामायण के अनुसार ।

**खण्ड–ग (Section–C)**

**व्यक्तिगत सदाचार के विभिन्न विषय**

**घटक (Unit) 1–**आत्मसम्मान - नीतिशतकम्, श्लोक २१ - ३०. ।

**खण्ड–ग (Section–D)**

**स्वतंत्रता सम्बंधी विभिन्न विषय**

**घटक (Unit) 1–**काव्य स्वतन्त्रता और अधिकार ( Poetic freedom and poetic license) **-**भारतीय काव्य एवं नाट्य में रचनात्मक अभिव्यक्ति और नाटकीयता, लोकप्रिय भारतीय सिनेमा

का मूल्यांकन भारतीय सिद्धान्तों के संदर्भ में ।

**घटक (Unit) 2–**व्यक्ति - गीता में स्वधर्म और स्थितप्रज्ञ : द्वितीय अध्याय ।

**प्रश्नपत्र निर्माण-प्रारूप -**

खण्ड क के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल पांच (लघूत्तरीय प्रश्न) समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न प्रष्टव्य रहेंगे ।

अंक 05x6= 30

खण्ड ख के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल चार समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होगें ।

अंक 04x10= 40

**Suggested Books/Readings:**

1. Mahabharata with Hindi translation – Gita Press Gorakhpur
2. Matilal Bimal Krishna – Moral Dilemmas in the Mahabharata

3. Sharma Kavita A.- Ethical Dilemmas in the Mahabharata - http://www.drkavitasharma.org/pdf/Ethical%20Dilemmas%20in%20Mahabharat.pdf
4. Das Gurcharan – 2009, The Difficulty of Being Good, Penguin (hindi translation)
5. http://www.wisdomtimes.com/blog/lessons-from-the-mahabharata-dealing-withmoral-dilemmas/#
6. http://jaiarjun.blogspot.in/2101/07/epic-fictions-rashomon-like-world-of.html
7. http://blogs.bu.edu/core/2101/02/16/on-arjunas-moral-dilemma/
8. http://www.cse.iitk.ac.in/users/amit/books/matilal-2002-ethics-epics-collectedv2.html
9. Gita – with Hindi translation, Gita Press, Gorakhpur
10. Koshambi d.d., nitisatakam, bhartiya vidya bhawan, mumbai, 1946
11. Shastri Surendra Dev, Abhijnana Sakuntalam, Sahitya Bhandar, Meerut
12. Vasudev Soma Dev, (Translation) Clay SansritSeries, New York Unievrsity Press
13. Ramayana of Valmiki, Ayodhyakanda, sanskritdocuments.org.

**B.A. Sanskrit**

**संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम**

**Detail of the Core Course for Sanskrit**

**सत्र- षष्ठ**

| | | |
|---|---|---|
| **आधारभूत पत्र (Core paper)**<br>**Paper Code BSA-G 613** | **संस्कृत भाषाविज्ञान की मूल बातें** | **पूर्णाङ्क 100**<br>**सत्रान्त परीक्षा : 70**<br>**सत्रीय मूल्याँकन : 30**<br>**क्रेडिट : 06** |

**खण्ड – क (Section–A)** भाषाविज्ञान का परिचय और भाषाओँ का वर्गीकरण

**खण्ड –ख (Section–B)** स्वर विज्ञान और ध्वनि-विज्ञान

**खण्डख- ग(SectionC )**रूपविज्ञान और वाक्यरचना

**खण्ड –घ(Section–D)** शब्दार्थविज्ञान

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य-** इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संस्कृत में वर्णित भाषाविज्ञान के मूलभूत सिद्धान्त को अवगत कराना है । इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र भाषाविज्ञान के मूलभूत सिद्धन्त को समझ कर उच्च अध्ययन में सक्षम होंगे ।

**पाठ्यक्रम –अध्ययनपरिणाम(Course Outcomes)-**

- इससे छात्रों को भाषविज्ञान की जानकारी होगी तथा भाषा के परस्पर संबन्धों की जानकरी होगी ।
- इससे छात्र भाषिक भेदभाव को भूलकर एक संगठित राष्ट्र का निर्माण कर सकेंगे ।

**घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)**

**खण्ड – क (Section–A)**

**भाषाविज्ञान का परिचय और भाषाओं का वर्गीकरण**

**घटक (Unit)- 1–** भाषाविज्ञान का परिचय भाषा और भाषाविज्ञान ।

**घटक (Unit)- 2 -** भाषाओं का वर्गीकरण : भारतीय भाषा परिवार ।

**खण्ड –ख (Section–B)**

**ध्वनि-विज्ञान का अध्ययन (स्वनविज्ञान)**

**घटक (Unit) –1**ध्वनि अध्ययन के आधार - 1. औच्चारणिक ध्वनि विज्ञान 2. सांवहनिक
या प्रासरणिक ध्वनिविज्ञान 3. श्रावणिक ध्वनिविज्ञान।
**2.** व्यंजनों के वर्गीकरण के आधार **-** प्रयत्न**,** स्थान तथा प्राणत्व के आधार पर

## खण्ड- ग(Section-C )

## रूपविज्ञान और वाक्य रचना

**घटक (Unit) –1** शब्द, वाक्य

## खण्ड –घ(Section–D)

## शब्दार्थविज्ञान

**घटक (Unit) –1**

**प्रश्नपत्र निर्माण-प्रारूप-**

खण्ड "क" के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल पांच (लघूत्तरीय प्रश्न) समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न प्रष्टव्य रहेंगे।
अंक 05x6= 30

खण्ड ख के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल चार समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होगें।
अंक 04x10= 40

**अनुशंसित ग्रन्थ (Suggested Books/Readings)**

1. तिवारी, भोलानाथ , तुलनात्मक भाषाविज्ञान, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1974.
2. तिवारी, भोलानाथ, भाषाविज्ञान, किताबमहल, इलाहाबाद, 1992.
3. द्विवेदी, कपिलदेव, भाषाविज्ञान एव भाषाशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2001.
4. शर्मा, देवेन्द्रनाथ, भाषाविज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2014
5. व्यास, भोलाशंकर, संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन, चौखम्बा विद्याभवन, 1957.

1. Burrow,T.,SanskritLanguage(alsotrans.intoHindibyBholashankarVyas ) , ChaukhambaVidyaBhawan, Varanasi,1991.
2. Crystal,David,TheCambridgeEncyclopediaofLanguage,Cambridge,19

97.
Ghosh, B.K., Linguistic Introduction to Sanskrit, Sanskrit Pustak Bhandar,Calcutta,1977.
4. Gune, P.D., Introduction to Comparative Philology, Chaukhamba Sanskrit Pratisthan, Delhi,2005.
5. Jesperson,Otto,Language:ItsNature,DevelopmentandOrigin,GeorgeAllen & Unwin, London,1954.
6. Murti, M., An Introduction to Sanskrit Linguistics, D.K. Srimannarayana, Publication, Delhi,1984.
7. Taraporewala,ElementsoftheScienceofLanguage,CalcuttaUniversityPress, Calcutta,1962.
8. Verma, S.K., Modern Linguistics, Oxford University Press,Delhi, Woolner,A.C.,IntroductiontoPrakrit,BhartiyaVidyaPrakashan,Varanasi